ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष- 7, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 332 पेज 8, मूल्य 2 रुपए
डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26
भोपाल
07 जून 2026 रविवार
बेबाक खबर हर दोपहर
दोपहर मेट्रो

आज का मौसम
38.8 अधिकतम
21.6 न्यूनतम

बड़ा हादसा टला... दीवार तोड़कर अंदर गए दमकलकर्मी

लालघाटी की तीन मंजिला इमारत में आग इसमें छह रेस्टोरेंट, नियमों की परवाह नहीं

बेसमेंट में चल रहा है बापू की कुटिया भोजनालय

भोपाल, दोपहर मेट्रो

दिल्ली में हुए भीषण अग्निकांड व देशभर से आ रही आगजनी की घटनाओं की खबरों के बीच भोपाल के लालघाटी इलाके में बनी तीनमंजिला इमारत में शनिवार-रविवार की देर रात आग लग गई। इसका पता सुबह उस वक्त चला, जब पड़ोस में बनी बिल्डिंग के गार्ड ने धुआं उठता देखा। एलर कॉम्प्लेक्स नाम की इस बिल्डिंग में 6 रेस्टोरेंट हैं। आग भोज इन रेस्टोरेंट में लगी। इमारत के बेसमेंट में बापू की कुटिया और ग्राउंड फ्लोर पर डोमिनोज का आउटलेट समेत कई छोटी दुकानें भी हैं। शहर के अलग-अलग इलाकों से तीन वाटर टैंकर समेत फायर ब्रिगेड की 8 दमकलें मौके पर पहुंची। दीवार तोड़कर दमकलकर्मी अंदर घुसे। करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद लपटों पर काबू पाया जा सका।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, आग रेस्टोरेंट के किचन से शुरू हुई। ये जल्द ही दूसरी मंजिलों तक जा पहुंची।आग के बीच सबसे बड़ा खतरा किचन में रखे 4 कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर से था, इसलिए दमकलकर्मियों ने तेजी दिखाते हुए इन्हें सबसे पहले बाहर निकाला। फायर ऑफिसर सौरभ पटेल ने कहा- आग अनूप रिजवानी के भोज इन रेस्टोरेंट में लगी। प्राथमिक तौर पर इसका कारण शॉर्ट सर्किट लग रहा है। हादसे के वक्त रेस्टोरेंट में कोई नहीं था।

जनता और व्यापारियों की भी जिम्मेदारी : प्रशासन जितना दोषी है, उतना ही दोष व्यापारियों का भी है, जो जानबूझकर सस्ते किराये के लालच में बेसमेंट को दुकान के रूप में लेते हैं। जनता को भी अब जागरूक होना होगा, जब आप ऐसे दुकानों में खरीदारी करते हैं, तो आप अनजाने में नियम तोडने़ वालों को बढ़ावा दे रहे होते हैं। बेसमेंट में दुकान खोलना जितना आसान दिखता है, उतना ही खतरनाक साबित हो सकता है। एक छोटी सी चिंगारी पूरे बाजार को राख कर सकती है। अब भी समय है कि नगर निगम, व्यापारी और जनता मिलकर इस समस्या की जड़ तक पहुंचे, वरना किसी बड़े हादसे के बाद सिर्फ अफसोस ही हाथ लगेगा।

फायर ऑडिट के खोखले निर्देश

हाल ही में नगरीय विकास एवं आवास विभाग द्वारा प्रदेश के सभी मॉल, होटल और रेस्टोरेंट का फायर ऑडिट कराने के सख्त निर्देश दिए गए थे। इसके बावजूद रिहायशी और व्यावसायिक रूप से बेहद संवेदनशील लालघाटी चौराहे पर बने इस रेस्टोरेंट में फायर सेफ्टी के क्या इंतजाम थे, यह जांच का विषय है। नगर निगम एवं फायर डिपार्टमेंट के निर्देशों के अनुसार बेसमेंट केवल पार्किंग और स्टोरेज के लिए उपयोग किया जा सकता है, मानव उपस्थिति वाले व्यवसाय (दुकानें, रेस्टोरेंट, ऑफिस आदि) का संचालन निषिद्ध है। हर व्यवसायिक भवन को फायर एनओसी, इमरजेंसी एग्जिट, स्मोक डिटेक्टर, वॉटर स्प्रिंकलर और अग्निशमन उपकरण लगाना अनिवार्य है। फायर सेफ्टी मानकों के बिना चल रही गतिविधियां पूर्णत: अवैध हैं और इन पर सीलिंग की कार्रवाई की जा सकती है।

हादसे का इंतजार क्यों?

दोपहर मेट्रो
पॉइंट ऑफ व्यू

लालघाटी की जिस इमारत में बीती रात आग लगी, उसके बेसमेंट में रेस्टोरेंट संचालित हो रहा था। सौभाग्य से बड़ा हादसा टल गया, लेकिन यह सवाल फिर सामने खड़ा हो गया है कि क्या भोपाल प्रशासन किसी भयावह त्रासदी का इंतजार कर रहा है? नियम साफ हैं। बेसमेंट का उपयोग मुख्य रूप से पार्किंग और आवश्यक सेवाओं के लिए होना चाहिए। इसके बावजूद भोपाल में सैकड़ों होटल, रेस्टोरेंट, कैफे और व्यावसायिक प्रतिष्ठान बेसमेंट में धड़ल्ले से चल रहे हैं। इनमें से अनेक स्थानों पर अग्नि सुरक्षा के मानकों का पालन नहीं होता। संकरे रास्ते, अपर्याप्त निकासी व्यवस्था और गैस सिलेंडरों का उपयोग किसी भी छोटी घटना को बड़े अग्निकांड में बदल सकता है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि यह सब प्रशासन और नगर निगम की नजरों से छिपा नहीं है। जिन प्रतिष्ठानों के बोर्ड सड़क से दिखाई देते हैं, उनके बारे में अधिकारियों का अनजान बने रहना विश्वास नहीं जगाता। कार्रवाई केवल हादसे के बाद होती है, जब जान-माल का नुकसान हो चुका होता है। नगर निगम, फायर विभाग और जिला प्रशासन को तत्काल संयुक्त अभियान चलाकर ऐसे सभी बेसमेंट प्रतिष्ठानों की जांच करनी चाहिए। नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई हो और जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही भी तय हो। शहर को आश्वासनों नहीं, सुरक्षा की जरूरत है।

न्यूज विंडो

अमेरिका में भारतीय युवक की गोली मारकर हत्या

हैदराबाद। तेलंगाना के एक 28 साल के भारतीय युवक की फिलाडेल्फिया में पिज्जा डिलीवरी के दौरान गोली मारकर हत्या कर दी गई। यह घटना कथित तौर पर एक फर्जी ऑर्डर के कारण हुई। मृतक अमेरिका में पार्ट-टाइम पिज्जा डिलीवरी एग्जीक्यूटिव के तौर पर काम कर रहा था।पीड़ित की पहचान अंशुल कुंचा के तौर पर हुई है। वह एक मल्टीनेशनल कंपनी में नौकरी करता था और अतिरिक्त कमाई के लिए वीकेंड पर पिज्जा डिलीवरी एग्जीक्यूटिव के तौर पर पार्ट-टाइम काम करता था।उसे एक सुनसान जगह पर डिलीवरी का फर्जी ऑर्डर मिला। जब वह वहां पहुंचा तो एक अनजान व्यक्ति ने गोलीबारी की।

कूनो में एक और मादा चीता की मौत, कुल संख्या 49 हुई

श्योपुर। कूनो नेशनल पार्क में चीता पुनर्स्थापन परियोजना को एक और बड़ा झटका लगा है। 27 महीने की भारतीय-जनित मादा चीता केजीपी-11 की उपचार के दौरान मौत हो गई। चीता प्रोजेक्ट की ओर से जारी आधिकारिक प्रेस नोट में इसकी पुष्टि की गई है।1 जून की सुबह मॉनिटरिंग टीम को रेडियो कॉलर के सिग्नल से केजीपी-11 की लोकेशन पहाड़गढ़ के घने जंगल में मिली। मौके पर पहुंची टीम ने देखा कि मादा चीता के शरीर पर गहरे जख्म थे और वह चलने में असमर्थ थी। वन विभाग की टीम ने तत्काल रेस्क्यू अभियान चलाकर उसे कूनो के पालपुर स्थित पशु चिकित्सा केंद्र में भर्ती कराया था।

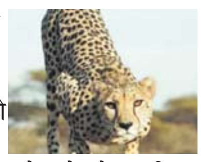

राजौरी में उत्तराखंड के 24 साल के लेफ्टिनेंट शहीद

अल्मोड़ा। जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में आतंकवादियों की तलाश में चलाए जा रहे सेना के विशेष सर्च अभियान 'ऑपरेशन शेरूवाली' के दौरान अल्मोड़ा के युवा सैन्य अधिकारी लेफ्टिनेंट बीरेश्वर गोस्वामी शहीद हो गए। वे 24 वर्ष के थे। राजौरी के दुर्गम पर्वतीय क्षेत्र में चल रहे अभियान के दौरान लेफ्टिनेंट बीरेश्वर गोस्वामी गहरी खाई में फिसल गए। गंभीर चोटों के कारण उन्होंने वीरगति प्राप्त की। सेना द्वारा घटना की पुष्टि किए जाने के बाद उनके परिजनों तथा क्षेत्रवासियों में शोक व्याप्त है। सैन्य सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा।

एमपी में तबादलों के लिए आवेदन की प्रक्रिया कल से

भोपाल। मध्य प्रदेश स्कूल शिक्षा विभाग ने शिक्षकों और शैक्षणिक कर्मचारियों के प्रशासनिक एवं स्वैच्छिक स्थानांतरण की गाइडलाइन जारी कर दी है। स्थानांतरण प्रक्रिया 8 जून से शुरू होकर 15 जुलाई 2026 तक चलेगी। सामान्य प्रशासन विभाग की तबादला नीति के बाद विभाग ने अपनी अलग स्थानांतरण पॉलिसी लागू की है, जिसके तहत ऑनलाइन आवेदन होंगे। विभागीय आदेश के अनुसार प्रशासनिक स्थानांतरण प्रस्तावों का पंजीयन 8 जून से शुरू होगा। अंतर्जिला स्थानांतरण के लिए 8 से 15 जून तक आवेदन किए जा सकेंगे। जिला कैडर-संभाग और राज्य कैडर स्थानांतरण के लिए 8 से 17 जून तक ऑनलाइन आवेदन किए जा सकेंगे।

ओहायो के पास फायरिंग से दहशत, 12 लोग घायल

टोलेडो। अमेरिका के ओहायो राज्य के टोलेडो शहर में एक सामुदायिक फेस्टिवल के पास हुई गोलीबारी ने पूरे इलाके में दहशत फैला दी। ओल्ड वेस्ट एंड फेस्टिवल के दौरान अचानक चली गोलियों से लोग जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। इस घटना में कम से कम 12 लोग घायल हुए हैं, जिनमें दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस ने बताया कि हमलावरों की तलाश जारी है ।

इलेक्ट्रिक स्टोव चालू करने से लगी थी दिल्ली के होटल में आग

नईदिल्ली. एजेंसी

दिल्ली के मालवीय नगर इलाके में होटल में लगी आग ने 21 लोगों की जान ले ली थी। जिसमें पुलिस पुछताछ में कुक नेगी की लापरवाही सामने आई है। नेगी ने बताया कि बुधवार सुबह रसोई में इलेक्ट्रिक स्टोव चालू करने के कुछ ही देर बाद आग लग गई। उसका दावा है कि स्टोव में विस्फोट हुआ, जिससे आग तेजी से बिल्डिंग में फैल गई।

पुलिस का मानना है कि इलेक्ट्रॉनिक लॉक सिस्टम के निष्क्रिय होने से निकास मार्ग बंद हो गए, जिसके कारण कई लोगों की जान नहीं बचाई जा सकी। पुलिस कुक के बयान को फायर और फोरेंसिक रिपोर्ट आने पर उनसे मैच करकर आगे की जांच करेगी। सीनियर पुलिस अधिकारियों के मुताबिक इलेक्ट्रिक स्टोव में आग कुक की लापरवाही की वजह से लगी और वो वहां से डर के भाग गया था। आग लगने के बाद कुक ने बिल्डिंग की मेन लाइट बंद की, जिससे इलेक्ट्रॉनिक लॉक सिस्टम बंद हो गए। इन फैक्ट्स को पुलिस क्रॉस वेरिफाई कर रही है। इलेक्ट्रिक स्टोव में आग लगने के दौरान जो लोग मौजूद थे, पुलिस उन सबके बयान दर्ज करेगी। इस त्रासदी से जुड़े घटनाक्रम को समझने के लिए पुलिस अब तक होटल के कई कर्मचारियों से पूछताछ कर चुकी है।

भोपाल में आज भी आंधी-बारिश का अलर्ट

सात राज्यों में पहुंचा मानसून, दक्षिण में भारी बारिश

भोपाल/ नई दिल्ली . एजेंसी

मानसून ठीक रफ्तार से आगे बढ़ रहा है और महाराष्ट्र में समुद्र के किनारे बसे शहर देवगढ़ पहुंच गया है। अनुमान है कि अगले 2 दिन में यह पूरे महाराष्ट्र को कवर कर लेगा। पूर्वोत्तर के मिजोरम और मणिपुर में भी मानसून पहुंच चुका है। मौसम विभाग का अनुमान है कि अगले दो दिन में यह महाराष्ट्र, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश के बाकी हिस्सों के साथ तेलंगाना और पूर्वोत्तर के अन्य राज्यों में पहुंच सकता है। भोपाल में शनिवार देर रात बारिश के बाद आज भी आंधी - बारिश का येलो अलर्ट जारी किया गया है।

मानसून के कारण केरलम, कर्नाटक, गोवा और तमिलनाडु में कई जिलों में भारी बारिश हो रही है। हालांकि तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई में लगातार 5वें दिन पारा 40 डिग्री का आंकड़ा पार कर गया। उत्तर भारत में भी पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ दिल्ली, यूपी, पूर्वी राजस्थान में तेज गर्मी का दौर दोबारा शुरू हो गया है। यहां कई इलाकों में लू का अलर्ट जारी किया गया है। देश में गुजरात को छोड़कर अन्य सभी राज्यों में प्री-मानसून बारिश हो रही है। मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, बिहार, झारखंड, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश समेत नॉर्थ ईस्ट के राज्यों में शनिवार को तेज बारिश हुई। भोपाल समेत 4 जिलों में 50 किमी की रफ्तार वाली आंधी चली। राजस्थान के बीकानेर में बारिश के साथ ओले गिरे। स्काईमेट वेदर के एक्सपर्ट जीपी शर्मा के मुताबिक एमपी, छत्तीसगढ़, ओडिशा और बंगाल में मानसून की रफ्तार फिलहाल धीमी रह सकती है, क्योंकि इसे आगे बढ़ाने के लिए बंगाल की खाड़ी में कोई मजबूत मौसम सिस्टम एक्टिव नहीं है।

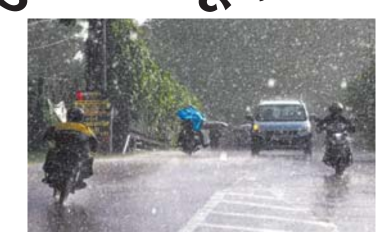

अल नीनो की शुरुआत: यूरोपीय मौसम एजेंसी के अनुसार, प्रशांत महासागर में अल नीनो बनने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। ताजा आंकड़ों में समुद्र का तापमान उस स्तर से ऊपर पहुंच गया है, जिसे अल नीनो की शुरुआत माना जाता है। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि इसके कारण दिसंबर तक समुद्र की सतह का तापमान सामान्य से 3 डिग्री तक बढ़ सकता है।

वैभव सूर्यवंशी को लेकर बीसीसीआई का बड़ा फैसला

क्योंकि वह अभी बच्चा है...माता-पिता भी जाएंगे इंग्लैंड

नईदिल्ली, एजेंसी

भारतीय क्रिकेट में 15 साल की उम्र में टीम इंडिया तक पहुंचना अपने आप में असाधारण उपलब्धि है। लेकिन वैभव सूर्यवंशी की कहानी सिर्फ रिकॉर्ड और रनों तक सीमित नहीं है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने इस किशोर बल्लेबाज के लिए एक ऐसा विशेष इंतजाम किया है, जो बताता है कि बोर्ड उनकी प्रतिभा के साथ-साथ उनकी उम्र और जरूरतों को भी गंभीरता से समझता है।

आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम में चुने गए वैभव सूर्यवंशी इंग्लैंड दौरे पर अपने माता-पिता के साथ जा सकेंगे।

बीसीसीआई ने विशेष अनुमति देते हुए कहा है कि 15 साल के खिलाड़ी को विदेशी परिस्थितियों और सीनियर टीम के माहौल में सहज महसूस कराने के लिए यह कदम उठाया गया है।

बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने कहा कि वैभव अभी नाबालिग हैं और अपनी उम्र के खिलाड़ियों के साथ ही यात्रा करते रहे हैं। लेकिन सीनियर भारतीय टीम के साथ माहौल पूरी तरह अलग होगा, इसलिए बोर्ड ने तय किया है कि उनके माता-पिता या परिवार का कोई सदस्य उनके साथ रह सकता है। सैकिया ने कहा, वह अभी बहुत छोटा है। अंडर-19 स्तर पर वह अपने हमउम्र खिलाड़ियों के साथ खेलता और यात्रा करता था। लेकिन सीनियर टीम के सभी खिलाड़ी वयस्क हैं। ऐसे में हमें लगा कि उसके माता-पिता का साथ होना उसके लिए बेहतर रहेगा। फिलहाल वैभव श्रीलंका में इंडिया-ए टीम के साथ त्रिकोणीय सीरीज खेल रहे हैं। उनके पिता भी जल्द ही वहां पहुंचने वाले हैं। बीसीसीआई ने साफ किया है कि यदि परिवार इंग्लैंड दौरे पर भी साथ जाना चाहता है तो बोर्ड हर संभव सहयोग करेगा।

जबलपुर में अपनी ही पिस्टल से चली गोली से महिला बीजेपी नेता की मौत

जबलपुर, एजेंसी

बीती देर रात यहाँ भाजपा की महिला नेता संगीता रजक की गोली लगने से मौत हो गई। घटना न्यू शोभापुर इलाके की है। जानकारी के मुताबिक, देर रात संगीता के घर के बाहर कुछ लोग गाली-गलौज कर रहे थे। आवाज सुनकर वे पति बंटी रजक के साथ बाहर निकलीं। पति-पत्नी ने शोर-शराबा करने वाले लोगों को फटकारा तो माहौल तनावपूर्ण हो गया। इसी बीच संगीता के घर के अंदर गई और लाइसेंसी पिस्टल लेकर बाहर आईं। हड़बड़ाहट के बीच संगीता के हाथ में मौजूद पिस्टल का ट्रिगर दब गया। गोली उनके ही पेट में जा लगी। वे जमीन पर गिर पड़ीं। सूचना मिलते ही रांझी थाना पुलिस का स्टाफ और सीनियर अफसर अस्पताल पहुंचे। शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। शुरुआती जांच में मामला दुर्घटनावश गोली चलने का माना जा रहा है। हालांकि, पुलिस हर पहलू से मामले की जांच कर रही है। पुलिस यह भी पता लगाने में जुटी है कि देर रात विवाद किस बात को लेकर हो रहा था? हालांकि, जांच के दौरान ये जरूर पता चला है कि कुछ दिन पहले अज्ञात बदमाशों ने उनके घर पर बम पटके थे। कार में भी तोड़फोड़ की थी। इसकी शिकायत बंटी रजक ने पुलिस में दर्ज कराई थी।

आज का कार्टून

मेट्रो एंकर

अपने ही समाज ने बना ली दूरी, कब्रिस्तान में भी दफनाने की इजाजत नहीं

पारसी महिला, मुस्लिम से शादी... हिन्दू रीति-रिवाज से मिली अंतिम विदाई

अहमदाबाद. एजेंसी

गुजरात के नवसारी जिले से एक ऐसा मामला सामने आया है जिसने धार्मिक पहचान, अंतरधार्मिक विवाह और सामाजिक स्वीकार्यता को लेकर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। एक 55 साल की पारसी महिला, जिसने जीवन भर जरथुस्त्र (पारसी) धर्म का पालन किया, मृत्यु के बाद अपने ही समुदाय की अंतिम संस्कार परंपराओं से वंचित रह गई। इतना ही नहीं, मुस्लिम पति होने के बावजूद उसे मुस्लिम कब्रिस्तान में दफनाने की भी अनुमति नहीं मिली। आखिरकार परिवार और सामाजिक कार्यकर्ताओं की मदद से महिला का हिंदू रीति-रिवाज के अनुसार अंतिम संस्कार किया गया।

जानकारी के अनुसार, महिला का विवाह एक मुस्लिम व्यक्ति से हुआ था, जो गुजराती साहित्य के सेवानिवृत्त प्रोफेसर हैं। मूल रूप से जूनागढ़ के रहने वाले प्रोफेसर पिछ्ले करीब 35 साल पहले नवसारी में ही बस गए थे। दोनों की मुलाकात एक स्थानीय कॉलेज में हुई थी, जहां प्रोफेसर पढ़ाते थे और महिला गुजराती भाषा में स्नातक की पढ़ाई कर रही थीं। समय के साथ दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ीं और उन्होंने शादी करने का फैसला किया।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, जब महिला ने अपने माता-पिता को विवाह के निर्णय की जानकारी दी तो उन्होंने शुरुआत में इसका विरोध किया। उन्हें आशंका थी कि अंतरधार्मिक विवाह के कारण परिवार को पारसी समुदाय से बहिष्कृत किया जा सकता है। हालांकि, बेटी की जिद के आगे परिवार को आखिरकार झुकना पड़ा और दोनों ने शादी कर ली। विवाह के बाद महिला। को पारसी समुदाय की सामाजिक गतिविधियों और आयोजनों से दूर रखा गया। यहां तक कि उन्हें अपने बड़े भाई और छोटी बहन की शादी में शामिल होने की भी अनुमति नहीं मिली। परिजनों का कहना है कि विवाह के बावजूद महिला ने कभी इस्लाम धर्म स्वीकार नहीं किया और जीवन भर पारसी धार्मिक परंपराओं का पालन करती रहीं। बीते सोमवार को महिला की तबीयत अचानक बिगड़ी और उनका निधन हो गया। इसके बाद पति ने पारसी समुदाय के लोगों से संपर्क कर अनुरोध किया कि चूंकि उनकी पत्नी ने जीवनभर पारसी धर्म का पालन किया, इसलिए उनका अंतिम संस्कार पारसी रीति-रिवाजों के अनुसार किया जाए। लेकिन समुदाय के लोग नहीं माने। शव अस्पताल में रखा रहा। पति ने मुस्लिम कब्रिस्तान के प्रबंधकों से संपर्क किया और इस्लामी परंपरा के अनुसार दफनाने की अनुमति मांगी, लेकिन वहां से भी इनकार कर दिया गया। जब किसी भी समुदाय की ओर से अंतिम संस्कार की व्यवस्था नहीं हो सकी, तब महिला के एक रिश्तेदार ने अपने मित्र और वीएचपी के स्थानीय नेता सज्जन भरवाड़ से मदद मांगी।

धर्म नहीं, मानवता का सवाल

वीएचपी नेता ने मानवीय आधार पर सहायता का प्रस्ताव रखा। परिवार की सहमति मिलने के बाद उन्होंने नवसारी के वेरावल क्षेत्र स्थित श्मशान गृह के एक ट्रस्टी से संपर्क किया, जिन्होंने अंतिम संस्कार की अनुमति दे दी। महिला के कुछ करीबी रिश्तेदारों और पति के परिवार के सदस्यों की मौजूदगी में हिंदू रीति-रिवाजों के अनुसार दाह संस्कार किया गया। सज्जन भरवाड़ ने कहा कि यह किसी धर्म का नहीं, बल्कि मानवता का प्रश्न था। उनके अनुसार, जब दोनों समुदायों से अंतिम संस्कार की अनुमति नहीं मिली तो उन्होंने मानवीय कर्तव्य समझते हुए परिवार की मदद की। इस घटना ने अंतरधार्मिक विवाह करने वाले लोगों की सामाजिक स्वीकार्यता और मृत्यु के बाद धार्मिक पहचान से जुड़े जटिल सवालों को एक बार फिर चर्चा के केंद्र में ला दिया है।

ट्रेनों के संचालन में विश्वसनीयता बढ़ेगी, तकनीकी खराबियों की संभावना कम होगी

रानी कमलापति रेलवे स्टेशन बनेगा और भी हाईटेक 4.49 करोड़ रुपए से अपग्रेड होगा सिग्नल सिस्टम

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

शहर के प्रमुख रेलवे स्टेशनों में शामिल रानी कमलापति रेलवे स्टेशन पर ट्रेनों के संचालन को सुरक्षित, तेज और तकनीकी रूप से उन्नत बनाने के लिए रेलवे लगभग 4.49 करोड़ रुपये खर्च करेगा। इस राशि से स्टेशन की मौजूदा सिग्नल प्रणाली को आधुनिक तकनीक से लैस किया जाएगा। इसके साथ ही, नई व्यवस्था के संचालन और नियंत्रण के लिए एक अत्याधुनिक तकनीकी भवन का निर्माण भी किया जाएगा। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, स्टेशन पर वर्तमान में उपयोग में आ रही पुरानी सिग्नल प्रणाली को अपग्रेड कर वितरित इलेक्ट्रानिक इंटरलाकिंग (ईआई) प्रणाली से जोड़ा जाएगा। इसके अतिरिक्त, ट्रैक सर्किट व्यवस्था के साथ नई मानिटरिंग तकनीक भी स्थापित की जाएगी, जिससे ट्रेनों की आवाजाही पर अधिक सटीक निगरानी रखी जा सकेगी।

सिग्नल सिस्टम अपग्रेड होने से होंगे कई फायदे

यह तकनीक सिग्नल फेल होने, ट्रैक पर तकनीकी गड़बड़ी और संचालन संबंधी समस्याओं की पहचान में मदद करेगी। इस परियोजना के तहत स्टेशन परिसर में नया ईआई भवन भी बनाया जाएगा। इसी भवन से सिग्नल और ट्रैक से जुड़ी विभिन्न प्रणालियों का संचालन और निगरानी की जाएगी। आधुनिक उपकरणों और डिजिटल कंट्रोल सिस्टम से लैस यह भवन रेलवे की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। नई सिग्नल प्रणाली लागू होने के बाद ट्रेनों के संचालन में विश्वसनीयता बढ़ेगी, तकनीकी खराबियों की संभावना कम होगी और परिचालन क्षमता में सुधार होगा।

भोपाल को मिली नई ट्रेन की सौगात, रीवा से चारलापल्ली के बीच चलेगी सुपरफास्ट ट्रेन

गर्मी की छुट्टियों और यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए रेलवे द्वारा चलाई जा रही गाड़ी संख्या 02158/02157 रीवा-चारलापल्ली-रीवा साप्ताहिक सुपरफास्ट समर स्पेशल ट्रेन भोपाल और आसपास के यात्रियों के लिए बड़ी राहत लेकर आई है। इस ट्रेन का पश्चिम मध्य रेलवे के प्रमुख स्टेशनों बीना, रानी कमलापति और इटारसी पर ठहराव होने से राजधानी भोपाल सहित मध्यप्रदेश के हजारों यात्रियों को दक्षिण भारत की यात्रा में सीधा लाभ मिलेगा। अब भोपाल और आसपास के यात्रियों को तेलंगाना क्षेत्र तक जाने के लिए अतिरिक्त ट्रेन बदलने की परेशानी कम होगी। रानी कमलापति स्टेशन पर इस ट्रेन के ठहराव से यात्री सीधे चारलापल्ली तक सफर कर सकेंगे। चारलापल्ली हैदराबाद क्षेत्र का प्रमुख रेलवे स्टेशन माना जाता है, ऐसे में नौकरी, शिक्षा, व्यापार और पर्यटन के उद्देश्य से यात्रा करने वाले लोगों को सुविधा मिलेगी। बीना और इटारसी दोनों ही पश्चिम मध्य रेलवे के महत्वपूर्ण जंक्शन हैं। इन स्टेशनों पर ट्रेन रुकने से बुंदेलखंड, मालवा और नर्मदापुरम संभाग के यात्रियों को बेहतर रेल कनेक्टिविटी मिलेगी। इटारसी जंक्शन से बड़ी संख्या में यात्री महाराष्ट्र और दक्षिण भारत की ओर यात्रा करते हैं। समर स्पेशल ट्रेन के संचालन से नियमित ट्रेनों में बढ़ने वाली वेटिंग और भीड़ का दबाव भी कम होगा। गाड़ी संख्या 02158 रीवा-चारलापल्ली साप्ताहिक सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन सात से 28 जून तक प्रत्येक रविवार रीवा से चलेगी। यह ट्रेन बीना स्टेशन पर शाम 7.35 बजे, रानी कमलापति स्टेशन पर रात 9.40 बजे और इटारसी स्टेशन पर रात 11.05 बजे पहुंचेगी।

राजधानी में 'संडे ऑन साइकिल' अभियान

साइकिल पर सवार हुआ शहर फिटनेस का दिया संदेश

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

रविवार सुबह राजधानी की सड़कों पर एक अलग ही नज़ारा देखने को मिला। टीटी नगर स्टेडियम से शुरू हुए 'संडे ऑन साइकिल' अभियान में हजारों फिटनेस प्रेमियों ने हिस्सा लेकर शहर को फिटनेस का संदेश दिया। विश्व साइकिल दिवस के मौके पर आयोजित इस कार्यक्रम का शुभारंभ प्रदेश के खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास सारंग ने फ्लैग ऑफ कर किया।

साई और खेल विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस अभियान को इस बार और वृहद रूप दिया गया। कार्यक्रम में खिलाड़ी, युवा, महिलाएं और आम नागरिक बड़ी संख्या में शामिल हुए। सुबह की ताजी हवा के बीच साइकिलों की कतारें शहर की सड़कों पर फिट इंडिया का संदेश देती नजर आईं। मंत्री विश्वास सारंग खुद भी साइकिल चलाते हुए टीटी नगर स्टेडियम से लिंक रोड, रोशनपुरा होते हुए आगे बढ़े। इस दौरान उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे अपनी दिनचर्या में फिटनेस को शामिल करें और स्वस्थ जीवनशैली अपनाएं। सारंग ने कहा कि यह अभियान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के फिट इंडिया संकल्प को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने बताया कि देशभर में इस तरह के आयोजन किए जा रहे हैं, जिससे लोगों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़े।

तेज हवा से फटे होर्डिंग

भोपाल। राजधानी में चली तेज हवा से लाल घाटी चौराहे पर होर्डिंग फट गए।

1.10 करोड़ की 8 लग्जरी गाड़ियां गायब, किराए के नाम पर बड़ा फ्रॉड

शहर में रेंटल के नाम पर कारों का खेला

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

शहर में किराए की गाड़ियों के कारोबार के नाम पर ऐसा फर्जीवाड़ा सामने आया है, जिसने वाहन मालिकों को हिलाकर रख दिया है। मामला सिर्फ किराए तक सीमित नहीं रहा, बल्कि धीरे-धीरे यह खेल गाड़ियों को गायब कर उन्हें सस्ते दामों पर बेचने तक पहुंच गया। शुरुआती जांच में करीब 1 करोड़ 10 लाख रुपए कीमत की 8 लग्जरी चार पहिया गाड़ियां इस पूरे नेटवर्क का हिस्सा बनकर इधर-उधर हो गईं।

पूरा मामला दिसंबर 2025 में शुरू हुआ। फरियादी सिद्धार्थ मिश्रा की मुलाकात सैयद जमीर नाम के व्यक्ति से हुई, जिसने खुद को कार रेंटल कारोबार से जुड़ा बताया। शुरुआती बातचीत में भरोसा बना और गाड़ियों का लेन-देन शुरू हो गया। पहले कुछ समय तक सब ठीक चलता रहा, गाड़ियां किराए पर जाती रहीं और किराया भी मिलता रहा। लेकिन इसके बाद कहानी बदल गई। किराया रुकने लगा, फोन उठना बंद हो गए और गाड़ियां लौटाने की जगह बहाने मिलने लगे।

गाड़ियों का रास्ता बदलता गया: जांच में सामने आया कि किराए पर ली गई गाड़ियां धीरे-धीरे अपने असली रास्ते से हटकर अलग हाथों में पहुंचने लगीं। कुछ वाहनों को फर्जी तरीके से ÷मालिक÷ बनाकर आगे ट्रांसफर किया गया, तो कुछ को बेहद कम कीमत पर बेच दिया गया। एक स्कॉर्पियो के महज तीन लाख रुपए में छिंदवाड़ा में बेचे जाने की जानकारी ने नेटवर्क की परतें खोलीं।

भरोसे की आड़ में चलता रहा खेल: मामले में सामने आए नामों में सैयद जमीर, शम्मी खान, समीर खान, राहुल जोशी व अनुराग माहेश्वरी शामिल हैं। आरोप है कि यह पूरा नेटवर्क मिलकर वाहन किराए पर लेता था, फिर उन्हें रोककर बेचने या गिरवी रखने का काम करता था। कई बार वाहन मालिकों को टालने के लिए अलग-अलग कहानियां बताई जाती थीं, कभी पेमेंट की दिक्कत, कभी कारोबार में नुकसान और कभी जल्द पैसे लौटाने का वादा।

एलएनसीटी में 48वीं आर्म रेसलिंग चैंपियनशिप शुरू

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

एलएनसीटी यूनिवर्सिटी में आर्म रेसलिंग एसोसिएशन मध्यप्रदेश द्वारा आयोजित 48वीं राष्ट्रीय आर्म रेसलिंग चैंपियनशिप 2026 का भव्य शुभारंभ हुआ। यह प्रतियोगिता 8 जून तक चलेगी, जिसमें देशभर के खिलाड़ी अपनी ताकत और तकनीक का प्रदर्शन कर रहे हैं।

डॉ. आनंद प्रसाद शर्मा ने बताया कि प्रतियोगिता में उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़, उत्तराखंड, पंजाब, राजस्थान, गुजरात, बिहार, झारखंड, मणिपुर, दिल्ली, हिमाचल प्रदेश और मध्यप्रदेश सहित 12 राज्यों के करीब 250 खिलाड़ी एवं अधिकारी शामिल हैं।

विभिन्न वर्गों में हो रही रोमांचक स्पर्धाएं-इस चैंपियनशिप में सब-जूनियर, जूनियर, यूथ, सीनियर, मास्टर और दिव्यांग वर्गों की प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं, जहां खिलाड़ी राष्ट्रीय खिताब के लिए जोरदार मुकाबला कर रहे हैं। उद्घाटन समारोह में पूर्व अध्यक्ष भारतीय कुश्ती संघ रणवीर सिंह फार्मर, डॉ. बी.पी. सिंह, कुलाधिपति डॉ. अनुपम चौकसे, कुलगुरु डॉ. एन.के. थापक और स्पोर्ट्स डायरेक्टर पंकज जैन सहित कई गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलन कर प्रतियोगिता का शुभारंभ किया।

हुड़दंगियों के खिलाफ पुलिस का एक्शन

आधी रात हंगामा करने वाले 4 रईसजादे दबोचे छिंदवाड़ा-बैतूल तक खदेड़कर भेजा जेल!

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

राजधानी के पॉश इलाके मिनाल रेजीडेंसी में रहकर देर रात हुड़दंग मचाने और राहगीरों पर जानलेवा हमला करने वाले चार बदमाशों को अयोध्या नगर पुलिस ने सलाखों के पीछे पहुंचा दिया है। थाना प्रभारी महेश लिल्हारे के नेतृत्व में पुलिस टीम ने आरोपियों को पकड़ने के लिए छिंदवाड़ा और बैतूल तक ताबड़तोड़ दबिश दी।

भाई की मदद करने पहुंचे युवक पर टूट पड़े थे गुंडे: घटना बीती 26 मई की रात करीब 3 बजे की है। नरेला शंकरी निवासी अरुण योगी को उसके भाई तरुण ने फोन कर बताया कि कार का पेट्रोल खत्म हो गया है। अरुण जब स्कूटी से पेट्रोल लेकर काकड़ा अभिनव होम्स के सामने पहुंचा, तभी दो बाइकों पर सवार चार रईसजादे वहाँ आ धमके। बदमाशों ने बिना किसी बात के गाली-गलौज शुरू कर दी। जब अरुण ने विरोध किया, तो आरोपियों ने पास पड़े लकड़ी के डंडों से उस पर हमला कर दिया। बीच-बचाव करने आए भाई तरुण और उसके दोस्त शिवोम को भी बेरहमी से पीटा गया। इस दौरान एक बदमाश ने धारदार हथियार से जानलेवा हमला भी किया, जिससे तरुण के सिर पर गंभीर चोट आई।

लग्जरी अपार्टमेंट में बैठकर लिखी जा रही थी क्राइम की स्क्रिप्ट: पुलिस की तफ्तीश में एक चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। ये चारों आरोपी मिनाल रेजीडेंसी जैसी पॉश कॉलोनी के जैसमिन अपार्टमेंट में किराए से मल्टी में रह रहे थे। यहां रहकर ये आरोपी अक्सर देर रात सड़कों पर गदर मचाते थे, शराब पीकर हुड़दंग करते थे और राहगीरों के साथ मारपीट करना इनका शौक बन चुका था। पुलिस ने इस मामले में तत्परता दिखाते हुए अपराध दर्ज किया था। पकड़े गए आरोपियों में समीर आरसे निवासी छिंदवाड़ा, सत्यम धनंजय तिवारी निवासी छिंदवाड़ा, शिवम पिंजारे निवासी बैतूल, अक्षत डेहरिया उर्फ रौनक निवासी छिंदवाड़ा शामिल हैं।

परिवहन उप निरीक्षकों का बुनियादी प्रशिक्षण

आधुनिक पुलिसिंग के गुर सीखकर निकले 21 अधिकारी

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

पुलिस अकादमी, भोपाल में तीन माह तक चले परिवहन उप निरीक्षक बुनियादी प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन गरिमामय समारोह के साथ हुआ। विशेष पुलिस महानिदेशक (प्रशासन) आदर्श कटियार मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। 9 मार्च से 5 जून तक चले इस प्रशिक्षण में 21 परिवहन उप निरीक्षकों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

जनसेवा और अनुशासन का दिया संदेश-समारोह को संबोधित करते हुए विशेष पुलिस महानिदेशक आदर्श कटियार ने प्रशिक्षु अधिकारियों से पुलिस सेवा में उच्च नैतिक मूल्यों, पारदर्शिता, संवेदनशीलता और अनुशासन के साथ कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण के दौरान प्राप्त ज्ञान और कौशल का उपयोग नागरिकों को बेहतर सेवाएं देने और सुरक्षित यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने में किया जाना चाहिए। **रायट ड्रिल से लेकर डायल-112 तक कराया गया अभ्यास...** बाह्य प्रशिक्षण के तहत प्रशिक्षुओं को आर्म्स ट्रेनिंग, परेड, रायट ड्रिल, पीटी, योग और फील्ड गतिविधियों का अभ्यास कराया गया। साथ ही डायल-112, पुलिस कमिश्नरेट, पुलिस मुख्यालय, स्मार्ट सिटी कंट्रोल सेंटर और एनआईसी जैसी संस्थाओं का शैक्षणिक भ्रमण भी कराया गया, ताकि आधुनिक तकनीकी पुलिसिंग की जानकारी मिल सके। समापन अवसर पर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में परिवहन उप निरीक्षक और उप पुलिस अधीक्षक प्रशिक्षणार्थियों ने अपनी रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

मेट्रो एंकर | मप्र जनजातीय संग्रहालय के 13वें स्थापना दिवस पर पांच दिवसीय 'महुआ महोत्सव' का शुभारंभ

शिल्प, संगीत व लोकनृत्यों से सजा जनजातीय संस्कृति का महापर्व

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय के 13वें स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित पांच दिवसीय 'महुआ महोत्सव' का शुभारंभ हुआ। 6 से 10 जून तक श्यामला हिल्स स्थित जनजातीय संग्रहालय में आयोजित यह महोत्सव जनजातीय लोक कला एवं बोली विकास अकादमी और उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, प्रयागराज के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया जा रहा है। दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, नागपुर भी इसमें सहयोगी संस्था के रूप में जुड़ा है। महोत्सव में देशभर की लोक कलाओं, जनजातीय नृत्यों, पारंपरिक शिल्प और देशज व्यंजनों की अनूठी छटा देखने को मिल रही है।

महोत्सव का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन और कलाकारों के स्वागत के साथ हुआ। इस अवसर पर पद्मश्री भूरी बाई, संस्कृति, पर्यटन एवं धार्मिक न्यास मंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी, विधायक उमाकांत भार्गव, संस्कृति विभाग के संचालक एन.पी. नामदेव और जनजातीय लोक कला एवं बोली विकास अकादमी के निदेशक डॉ. धर्मेंद्र पारे मौजूद रहे। संस्कृति मंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी ने कहा कि मध्यप्रदेश का जनजातीय संग्रहालय देश का अनूठा संग्रहालय है, जहां प्रदेश की प्रमुख जनजातियों–गोंड, बैगा, भील, कोरकू, भारिया, सहरिया और कोल समुदाय की संस्कृति, परंपरा और आवासीय शैली को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया गया है। उन्होंने कहा कि संग्रहालय केवल प्रदर्शन का केंद्र नहीं, बल्कि जनजातीय जीवन और कला का जीवंत अनुभव कराने वाला सांस्कृतिक धरोहर स्थल बन चुका है।

कोरकू जनजाति के गदली नृत्य ने बांधा समां: महोत्सव के पहले दिन बैतूल के सोनू कुशवाहा एवं साथियों ने कोरकू जनजाति का पारंपरिक गदली नृत्य प्रस्तुत किया। विवाह अवसरों पर किए जाने वाले इस नृत्य में महिलाओं ने चिटकोरा बजाते हुए आकर्षक मुद्राओं में प्रस्तुति दी, जबकि पुरुष कलाकारों ने ढोल, अलगोजा, टिमकी और बांसुरी की धुनों पर वातावरण को जीवंत बना दिया। कार्यक्रम में 'राजा लोहगुंडी' गोंडवानी आख्यान पर आधारित नृत्य-नाट्य की प्रस्तुति भी हुई। सतीश व्याम के निर्देशन में तैयार इस नाट्य में गोंडवाना के वीर राजा लोहगुंडी की शौर्यगाथा दिखाई गई।

सिंधी पंचायत का चुनाव का कार्यक्रम घोषित

संतनगर. दोपहर मेट्रो।

पूज्य सिंधी पंचायत, संतनगर के त्रिवार्षिक चुनाव का कार्यक्रम घोषित कर दिया गया है। 10 से 12 जून तक प्रातः 11:00 से दोपहर 1:00 तक नामांकन फॉर्म नवयुवक सभा स्कूल के अस्थाई कार्यालय से प्राप्त किए जा सकेंगे।

13 एवं 14 जून 2026 को नामांकन फार्म जमा किए जा सकेंगे। 15 जून को प्रत्याशियों की सूची सूचना पटल पर चस्पा की जाएगी। नाम वापसी 17 जून दोपहर 12:00 बजे तक हो सकेगी। 17 जून को ही प्रत्याशियों की अंतिम सूची जारी की जाएगी। आवश्यक होने पर 21 जून 2026 को नवयुवक सभा भवन में प्रातः 8 से 2:00 बजे तक वोटिंग करवाई जाएगी। उसी दिन चुनाव के तत्काल पश्चात वोटों की गणना की जाएगी एवं परिणाम घोषित किया जाएगा। चुनाव अधिकारी बसंत चेलानी के साथ धर्म प्रकाश मोटवानी एवं आयलदास साधवानी सहचुनाव अधिकारी रहेंगे।

जीवन रक्षा की दिशा में मध्यप्रदेश की अभिनव पहल

24/7

पीएमश्री एयर एम्बुलेंस सेवा

जहां हर पल कीमती हो यह सेवा देती हैं जीवन की उम्मीद

टोल फ्री नं. 18004199006

सुविधा किसके लिए है

- **आपात स्थिति विशेषकर**
  सड़क एवं औद्योगिक दुर्घटना में गंभीर घायल
- **बीमारी की गंभीर अवस्था**
  नवजात शिशु, बच्चे, अंग प्रत्यारोपण, हृदय संबंधी आदि मामले

एयर एम्बुलेंस में सुविधाएं

- क्रिटिकल चिकित्सा राहत एवं रात्रि परिवहन हेतु अनुभवी एवं दक्ष पायलेट
- उच्च प्रशिक्षित चिकित्सक एवं पैरामेडिकल टीम
- वेंटिलेटर, ऑक्सीजन सपोर्ट, कार्डियक केस में लाइफ सेविंग सपोर्ट

शुल्क

- आयुष्मान कार्ड धारक के लिए प्रदेश के भीतर तथा प्रदेश के बाहर शासकीय एवं आयुष्मान सम्बद्ध अस्पताल में निःशुल्क परिवहन
- गैर आयुष्मान कार्ड धारक के लिए प्रदेश के भीतर शासकीय अस्पताल में निःशुल्क लेकिन प्रदेश के बाहर अनुबंधित दर पर परिवहन, विशेष परिस्थियों में निःशुल्क सुविधा
- अनुबंधित दर - ₹ 1,94,500 प्रति घंटा एवं ₹ 1,78,900 प्रति घंटा

निर्बाध सेवा और बैकअप व्यवस्था

- आपातकालीन सेवा के लिए 24×7 एयरक्राफ्ट तैनात
- तकनीकी खराबी या मेंटेनेंस की स्थिति में तुरंत बैकअप

अनुमति कैसे मिलेगी

- चीफ मेडिकल ऑफिसर/ शासकीय चिकित्सालय के डीन द्वारा अनुमोदन
- जिला कलेक्टर/कमिश्नर हेल्थ/ संचालनालय, चिकित्सा शिक्षा द्वारा स्वीकृति

मरीज को कहाँ ले जाया जा सकेगा

- राज्य के भीतर अथवा राज्य के बाहर सुपर स्पेशलिटी/उच्च चिकित्सा संस्थानों में

बीमा सुरक्षा

- थर्ड पार्टी कवर • हितग्राही बीमा • मेडिकल सुरक्षा प्रावधान

15 सितंबर 2025 को इंदौर में एक ट्रक हादसे में मेरी बेटी संस्कृति बेहद गंभीर रूप से घायल हो गई थी। उसे प्राथमिक इलाज के बाद मध्यप्रदेश सरकार द्वारा पीएमश्री एयर एम्बुलेंस सेवा के माध्यम से इंदौर से एयरलिफ्ट कर मुंबई भेजा गया, जहां संस्कृति का सफल इलाज हुआ। आयुष्मान कार्ड धारक न होने के बावजूद भी हमारी बेटी का निःशुल्क इलाज संभव हुआ।

\- श्री अशोक वर्मा, पिता

अब तक

140 लोगों ने लिया लाभ

50 से अधिक सफल इमरजेंसी ऑपरेशन

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

D-11028/26

आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2026

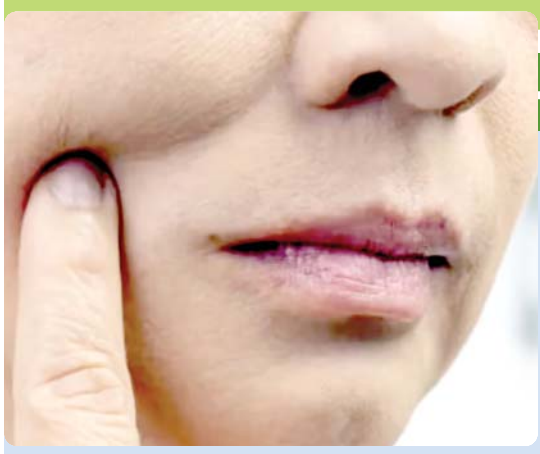

स्किन ग्लायकेशन

मीठे की चाहत से उड़ रही है चेहरे की रंगत

मीठा केवल मोटापा लाकर ही शरीर को नुकसान नहीं पहुंचाता है, इससे शरीर समय से पहले बूढ़ा भी होने लगता है और इसका सीधा असर त्वचा पर एजिंग साइन के रूप में देखने को मिलता है। डॉक्टर की मानें तो केवल मीठे भोजन से ही नहीं, बल्कि हाई ग्लाइसेमिक फूड से भी शरीर में शुगर स्पाइक होती है और शरीर बुढ़ापे की तरफ तेजी से बढ़ने लगता है।

अगर मीठे के दुष्प्रभाव की बात की जाए तो मोटापा और डायबटीज जैसी स्थितियां सबसे पहले ख्याल में आती है। लेकिन इसके साथ ही मीठा आपकी त्वचा पर भी प्रभाव डालता है। मीठे का सेवन त्वचा को बूढ़ा करने लगता है और इसके पीछे स्किन ग्लायकेशन की प्रक्रिया जिम्मेदार है। ऐसे कई अध्ययन बताते हैं कि अत्यधिक मीठे खाद्यों या पेय का सेवन और हाई ग्लाइसेमिक फूड खाने से रक्त में शुगर स्पाइक तेजी से होता है जिससे त्वचा जल्दी बूढ़ी होना शुरू हो जाती है। लेकिन सही डायट और त्वचा का बेहतर रखरखाव इस प्रक्रिया को धीमा कर सकता है।

स्किन ग्लायकेशन बढ़ने की वजह: अगर आप ज्यादा मीठा भोजन ले रहे हैं या हाई ग्लाइसेमिक इंडेक्स वाला भोजन खाते हैं तो खून में शुगर तेजी से बढ़ेगी जिसका शरीर पूरी तरह इस्तेमाल नहीं कर पाता। इस कारण यह त्वचा के प्रोटीन से चिपक जाती है और उसे खराब करने लगती है। आपका शरीर मीठे के प्रति किस तरह प्रतिक्रिया देगा यह आपके जेनेटिक्स पर भी निर्भर करता है। अगर परिवार में पहले से डायबिटीज जैसी समस्या है तो स्किन ग्लायकेशन आपको भी तेजी से हो सकता है। आपकी जीवनशैली आपकी सेहत पर सीधा असर डालती है। धूम्रपान, शराब का सेवन या सुस्त जीवनशैली भी रक्त में शरकरा बढ़ा देती है और इंसूलीन रजिस्टेंस को प्रभावित करती है। इससे स्किन ग्लायकेशन की प्रक्रिया तेज हो सकती है।अगर पहले से खून में शुगर की मात्रा ज्यादा है और इसके बाद भी आप मीठे का सेवन करते हैं या सुस्त जीवनशैली को अपनाते हैं तो भी स्किन ग्लायकेशन होना शुरू हो जाता है।

यूं पहचानें स्किन ग्लायकेशन: त्वचा समय से पहले बूढ़ी होना शुरू हो रही है, इसकी पहचान समय रहते करना जरूरी है। कुछ लक्षणों को देखकर आप आसानी से समझ सकते हैं कि त्वचा पर बुढ़ापे के निशान आना शुरू हो चुके हैं। आखों के आस पास, माथे, गर्दन और होठों के आस पास की त्वचा पर गौर करें। अगर यहां फाइन लाइन आना शुरू हो गई हैं तो यह झुर्रियों की शुरुआत है। अगर त्वचा को पकड़कर खींचने के बाद या उसे सिकोड़ने पर वह तुरंत वापस पहले जैसी नहीं होती या उस पर हल्की लकीरें दिखती हैं तो यह इलास्टिसिटी की कमी है।

स्किन केयर का रखें ध्यान: अपने स्किन केयर में उन चीजों को शामिल करें जो आपकी त्वचा के कोलाजन और इलास्टिसिटी बढ़ाएं। इनमें विटामिन सी और विटामिन ए आपकी खास मदद करते हैं। इसके अलावा रेटेनॉएड का इस्तेमाल करके त्वचा के रिपेयर सिस्टम को बेहतर किया जा सकता है। पेप्टाइड से त्वचा के प्राकृतिक बेरियर मजबूत होते हैं और एंटीऑक्सिडेंट त्वचा की कोशिकाओं को नुकसान से बचाती हैं।

क्या है स्किन ग्लायकेशन?

त्वचा का ग्लायकेशन एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें ग्लूकोज त्वचा के प्रोटीन यानी कोलाजन और इलस्टिन से चिपक जाता है और एंजाइम की गैरमौजूदगी में इससे एडवांस ग्लायकेशन एंड प्रोडक्ट बनता है जो शरीर के लिए हानिकारक मॉलीक्यूल है। इसके बनने से शरीर के अंगों को कई तरह की समस्या होती है साथ ही शरीर के सबसे बड़े अंग यानी त्वचा के कोलाजन और इलास्टिसिटी को भी नुकसान पहुंचता है। यही कारण है कि त्वचा के ग्लायकेशन से समय से पहले झुर्रियां आना शुरू हो जाती हैं और त्वचा जल्दी बूढ़ी होने लगती है।

व्यायाम से होगा बचाव

सबसे पहले जरूरी है कि मीठे खाद्यों का सेवन कम से कम किया जाए। इसके साथ ही भोजन में ज्यादा फाइबर या लो ग्लाइसेमिक इंडेक्स वाली चीजें शामिल करें। जैसे – ब्राउन राइस, ओट्स, होल ग्रेन ब्रेड वगरह। इसके अलावा एंटीऑक्सिडेंट से भरपूर भोजन करने से त्वचा के सेल ग्लायकेशन से बच सकते हैं। इसके लिए ग्रीन टी, बेरी, पत्ते वाली सब्जियां वगरह को अपने संतुलित आहार का हिस्सा बनाएं। नियमित व्यायाम से शरीर में मौजूद ग्लूकोज का बेहतर इस्तेमाल हो पाता है और इससे शुगर स्पाइक नहीं होती जिससे अतिरिक्त ग्लूकोज त्वचा के कोलाजन और इलास्टिसिटी को खराब नहीं कर पाता। इसके साथ ही शरीर में खून का दौड़ान भी बेहतर होता है जिससे शरीर को बेहतर पोषण मिल पाता है और एजिंग की प्रक्रिया धीमी होने लगती है।

जीवन-ज्योति

हमारा परिवार ही है खुशियों का पहला विद्यालय

सिस्टर बीके शिवानी
मोटिवेशनल स्पीकर

परिवार हमारे जीवन का पहला विद्यालय है। यहीं हम प्रेम, विश्वास, सहयोग और रिश्तों की सबसे महत्वपूर्ण सीख प्राप्त करते हैं। लेकिन आज अधिकांश परिवारों में तनाव, असंतोष और दूरियाँ बढ़ती दिखाई देती हैं। जब मैं लोगों से मिलती हूँ, तो पाती हूँ कि उनकी अधिकांश परेशानियों की जड़ बाहर की परिस्थितियाँ नहीं, बल्कि परिवार के भीतर की अपेक्षाएँ और सोच होती हैं। परिवार को सुखी बनाने की शुरुआत किसी और से नहीं, स्वयं से करनी चाहिए। हम अक्सर चाहते हैं कि सामने वाला बदले, लेकिन यह नहीं देखते कि हमारे अपने विचार और व्यवहार क्या प्रभाव डाल रहे हैं। यदि मैं शांत हूँ, सकारात्मक हूँ और संतुलित हूँ, तो मेरी ऊर्जा पूरे घर के वातावरण को प्रभावित करेगी। परिवार का माहौल शब्दों से नहीं, हमारी आंतरिक स्थिति से बनता है।

रिश्तों में प्रेम का अर्थ अधिकार जताना नहीं है। हम जिनसे सबसे अधिक प्रेम करते हैं, उनसे ही सबसे अधिक अपेक्षाएँ भी रखने लगते हैं। जब वे हमारी उम्मीदों के अनुसार व्यवहार नहीं करते, तो हमें दुख होता है। यदि हम लोगों को उनकी खूबियों और कमियों सहित स्वीकार करना सीख लें, तो रिश्ते कहीं अधिक सहज और सुंदर बन सकते हैं। स्वीकार्यता ही सच्चे प्रेम की पहचान है।

परिवार में संवाद की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। आज लोग एक-दूसरे से बात तो करते हैं, लेकिन एक-दूसरे को सुनते कम हैं। जब कोई अपना मन खोलकर कुछ कह रहा हो, तो उसे बीच में टोकने, समझाने या उसकी आलोचना करने के बजाय पहले उसकी भावनाओं को समझना चाहिए। कई बार किसी व्यक्ति को समाधान नहीं, केवल एक संवेदनशील श्रोता की आवश्यकता होती है।

क्रोध किसी समस्या का समाधान नहीं है। बहुत से लोग कहते हैं कि बिना डाँटे या गुस्सा किए घर नहीं चल सकता, लेकिन मेरा अनुभव बताता है कि दृढ़ता और क्रोध अलग-अलग बातें हैं। हम शांत रहते हुए भी अपनी बात प्रभावशाली ढंग से कह सकते हैं। जब परिवार का वातावरण भय के बजाय सम्मान पर आधारित होता है, तब रिश्ते अधिक मजबूत बनते हैं।

माता-पिता के लिए बच्चों को केवल अच्छी शिक्षा और सुविधाएँ देना पर्याप्त नहीं है। उन्हें समय, प्यार और सकारात्मक ऊर्जा की भी आवश्यकता होती है। बच्चे हमारे शब्दों से कम और हमारे व्यवहार से अधिक सीखते हैं। इसलिए यदि हम चाहते हैं कि हमारे बच्चे आत्मविश्वासी, खुश और संस्कारी बनें, तो हमें स्वयं वैसा बनना होगा।

अंततः परिवार की खुशहाली का सबसे बड़ा रहस्य आध्यात्मिक जागरूकता में छिपा है। जब मैं स्वयं को केवल एक शरीर नहीं, बल्कि एक शांत और शक्तिशाली आत्मा के रूप में देखती हूँ, तब मेरे भीतर धैर्य, करुणा और क्षमा की भावना स्वतः विकसित होती है। यही गुण रिश्तों को मजबूत बनाते हैं। परिवार को बदलने का सबसे सरल सूत्र है–मैं स्वयं बदलूँ। जब मैं अपने विचारों को सकारात्मक, अपने शब्दों को मधुर और अपने व्यवहार को प्रेमपूर्ण बनाती हूँ, तो परिवार में भी परिवर्तन दिखाई देने लगता है। सुखी परिवार किसी संयोग का परिणाम नहीं होते, वे समझ, स्वीकार्यता और प्रेम की निरंतर साधना से निर्मित होते हैं।

सितारों की बात

सप्ताह का राशिफल दिनांक 07 से 13 जून तक

पंडित विष्णु राजौरिया

मेष: राशि के जातक इस सप्ताह में उत्तम सफलता प्राप्त होने के संकेत हैं मेष राशि के जातक व्यापार व्यवसाय एवं अपने कार्य क्षेत्र में उपस्थित बढ़ाओ को दूर करने में सक्षम रहेंगे, साथी आपके घर परिवार में आगामी दिनों में होने वाली मांगलिक कार्य की तैयारी पूर्णता की ओर होने से आपका मन प्रसन्न रहेगा।

वृषभ: राशि के जातकों को आगामी सप्ताह अत्यंत परिश्रम भरा रहने के संकेत हैं आशा के विपरीत आपके अधिनस्थ और उच्च पद प्रतिष्ठा वाले लोगों से परिणाम न मिलने से मन में व्यग्रता का भाव रह सकता है, लेकिन सप्ताह के अंत में कुछ कार्य संपन्न होने के संकेत मिल रहे हैं,अत: निराश ना हो।

मिथुन: मिथुन राशि के जातक इस सप्ताह में धनागम व्यापार व्यवसाय विशेष रूप से साहित्य जगत में कार्य करने वाले जातक लेखन पत्रकारिता आदि के क्षेत्र में उत्तम सफलता प्राप्त करेंगे, आप अपने बौद्धिक स्तर से मान सम्मान प्रतिष्ठा अर्जित करने में सक्षम रहेंगे, आई के साधन बढ़ेंगे, तथा बच्चों के कार्य समय पर होने से मन में प्रसन्नता का भाव रहेगा।

कर्क: राशि के जातक इस सप्ताह में उत्तम सफलता प्राप्त करेंगे, विशेष रूप से मांगलिक कार्य धार्मिक यात्रा तीर्थ स्थलों का दर्शन एवं प्राकृतिक स्थान का भ्रमण जैसे कार्य में समय व्यतीत होगा, और घर परिवार के साथ भ्रमण का आनंद और यात्रा का अवसर आपके मन को प्रफुल्लित करेगा, संतति के कार्यों में उत्तम सफलता प्राप्त होने के संकेत मिल रहे हैं।

सिंह: राशि के जातकों को आगामी सप्ताह में व्यवहार की अधिकता रहने के संकेत मिल रहे हैं, आगामी दिनों में बच्चों की शिक्षा दीक्षा साथी घर की परिवार की अन्य व्यवस्थाओं में आपकी व्यस्तता रहने की संकेत है, और आय से अधिक व्यय का भार आ सकता है, अत: अपने आर्थिक कार्यों में विशेष सावधानी रखना नितांत आवश्यक है, मानसिक चिंता बनी रहेगी।

कन्या: राशि के जातकों को आगामी सप्ताह अत्यंत अनुकूल होने के संकेत मिल रहे हैं, घर परिवार के लोगों के द्वारा साथी मित्रों के द्वारा आपको उत्तम सहयोग प्राप्त होगा, जिससे कई दिनों से लंबित कार्य संपन्न हो सकता है, संतति के कार्यों में सफलता मिलने से मन प्रसन्न रहेगा।

तुला: राशि के जातकों को यह सप्ताह अत्यंत अनुकूल होने के संकेत हैं, व्यापार व्यवसाय कृषि एवं अन्य कार्यों में आपको उत्तम लाभ के संकेत मिल रहे हैं, सामाजिक एवं राजनीतिक क्षेत्र में कार्य करने वाले जातकों को उत्तम पद प्रतिष्ठा एवं मान सम्मान प्राप्त होगा।

वृश्चिक: राशि के जातकों को आर्थिक प्रभार बढ़ाने के संकेत मिल रहे हैं आए और व्यय में संतुलन बनाकर रखने की आवश्यकता है, आय से अधिक व्यय करने से बच्चे साथी अनावश्यक व्यय करना आपको कठिनाई में डाल सकता है पता लेनदेन में विशेष सावधानी रखें।

धनु: राशि के जातक इस समय कुछ कठिनाई के दौर से गुजर रहे हैं आपको घर परिवार के किसी बुजुर्ग के कारण मानसिक चिंतन बना हुआ है, उनके स्वास्थ्य की अथवा अन्य किसी प्रकार की चिंता कठिनाई में डाले हुए हैं, आप अपने स्वास्थ्य का भी ध्यान रखें शरीर में पीड़ा मन में चिंता रहने से आपको कठिनाई महसूस हो रही है,ऐसे समय में हनुमान जी की आराधना, उपासना, शनि का दान करना उत्तम फल देने वाला रहेगा।

मकर: राशि के जातक आगामी सप्ताह में उत्तम सफलता प्राप्त करेंगे, जिस लक्ष्य को लेकर आप निरंतर परिश्रम कर रहे हैं ,उसे लक्ष्य की पूर्ति का संकेत मिल रहा है, और आप निरंतर अपने कार्यों में निष्ठा के साथ लग रहे भविष्य में आपको उत्तम सफलता प्राप्त होगी, व्यापार व्यवसाय एवं कृषि के क्षेत्र में कार्य करने वाले जातकों को आगामी दिनों में उत्तम परिणाम प्राप्त होंगे।

कुंभ: राशि के जातक निरंतर प्रगति की ओर अग्रसर होने के संकेत मिल रहे हैं, आपके द्वारा किए गए प्रयासों से सामाजिक आर्थिक एवं अन्य मोचन पर घर परिवार की प्रतिष्ठा बढ़ेगी, व्यापार व्यवसाय में प्रगति होने से साथी घर परिवार के कार्यों को करने में सफलता मिलने से परिवार में आनंद का वातावरण बना रहेगा।

मीन: राशि के जातकों को आगामी सप्ताह में कुछ उतार चढ़ाव एवं मानसिक चिंतन का समय रहेगा, ऐसे अवसर पर वरिष्ठ जनों एवं गुरुजनों से मिलकर सलाह लेकर अपने कार्यों का संपादन करें, नवीन व्यापार व्यवसाय अथवा किसी भवन भूमि या वस्तु के क्रय विक्रय में सोच समझकर कार्य करें अन्यथा आपको कठिनाई का सामना करना पड़ सकता है स्वास्थ्य के प्रति सजगता रखें, उधर विकार से आपको कठिनाई हो सकती है।

दिया कबीरा रोय

गिरीश पंकज
व्यंग्यकार

मैं और व्यवस्था महाराज...

इन दिनों मेरी सबसे घनिष्ठ मित्रता व्यवस्था महाराज से हो गई है। पहले मैं उन्हें कोसता था, अब समझ गया हूँ कि वे कोसने की नहीं, पूजने की वस्तु हैं। आखिर इतनी विशाल और अद्भुत चीज़ को समझना हर किसी के बस की बात भी तो नहीं।

पिछले दिनों मुझे एक सरकारी दफ्तर में एक साधारण-सा काम था। मैं सुबह-सुबह पहुँच गया। सोचा था कि जल्दी जाऊँगा तो जल्दी काम हो जाएगा। लेकिन वहाँ पहुँचकर पता चला कि मैं कितना भोला आदमी हूँ। व्यवस्था ने मुझे समझाया कि काम जल्दी कराने की सोच ही लोकतंत्र के खिलाफ है। नागरिक का पहला कर्तव्य प्रतीक्षा करना है।

काउंटर पर बैठे बाबूजी ने मेरी तरफ देखा भी नहीं। वे राष्ट्र निर्माण के महत्वपूर्ण कार्य में लगे थे–मोबाइल पर वीडियो देख रहे थे। मैंने विनम्रता से पूछा, 'सर, मेरा काम हो जाएगा? 'उन्होंने मुझे ऐसे देखा जैसे मैंने देश की अर्थव्यवस्था पर प्रश्नचिह्न लगा दिया हो।

बोले, 'फाइल कहाँ है? 'मैंने फाइल दे दी।

उन्होंने कहा, 'इसके साथ दूसरा फॉर्म चाहिए। 'मैं दूसरा फॉर्म लेने गया। वहाँ बताया गया कि पहले वाले काउंटर से सत्यापन होगा। सत्यापन वाले काउंटर पर गया तो पता चला कि सत्यापन के लिए दूसरे फॉर्म की जरूरत है।

मैं चकरा गया। तभी मुझे ज्ञान प्राप्त हुआ। यह कोई दफ्तर नहीं था, यह जीवन-दर्शन का विश्वविद्यालय था। यहाँ आदमी को सिखाया जाता है कि मंज़िल से अधिक महत्वपूर्ण चक्कर लगाना है।

किसी तरह सारे कागज़ जमा हुए। बाबूजी ने फाइल देखकर कहा, 'अब अगले सप्ताह आइए। '

मैंने पूछा, 'क्यों? '

वे मुस्कुराए। बोले, 'व्यवस्था है। '

उस दिन पहली बार मुझे लगा कि व्यवस्था कोई शब्द नहीं, एक सर्वशक्तिमान देवता है। उसके नाम पर सब कुछ संभव है और कुछ भी असंभव नहीं।

सड़क पर निकला तो देखा, गड्ढों के बीच कहीं-कहीं सड़क भी बची हुई थी। मुझे खुशी हुई कि विकास अभी पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है। तभी एक मित्र मिले। बोले, 'नगर निगम ने दावा किया है कि सारी सड़कें दुरुस्त हैं। '

मैंने कहा, 'बिलकुल सही दावा है। गड्ढे इतने व्यवस्थित हैं कि उन्हें देखकर इंजीनियरिंग की नई शाखा शुरू की जा सकती है। '

आजकल व्यवस्था का कमाल हर जगह दिखता है। अस्पताल में मरीज लाइन में है, स्कूल में छात्र परेशान है, किसान इंतजार में है और आम आदमी आश्वासनों से समृद्ध है। सुविधाएँ भले कम हों, लेकिन घोषणाएँ भरपूर हैं।

अब मैंने निर्णय कर लिया है कि व्यवस्था से लड़ना व्यर्थ है। मैं भी उसकी महिमा का गुणगान करूँगा। जब कोई पूछेगा कि काम क्यों नहीं हुआ, तो मैं कहूँगा– 'व्यवस्था है।' जब सड़क टूटेगी, कहूँगा– 'व्यवस्था है।' जब फाइल रुकेगी, कहूँगा– 'व्यवस्था है। '

आखिर जिस देश में समस्या से अधिक मजबूत उसका बहाना हो, वहाँ व्यवस्था नहीं, व्यवस्था महाराज ही राज करते हैं। और हम सब उनकी प्रजा हैं–धैर्यवान, प्रतीक्षारत और सदैव आशावान।

नॉलेज

बांधों में पानी की जगह भर रही है गाद, भविष्य में पानी के लिए होगा बड़ा टकराव

पूरी दुनिया में पानी का संकट तेजी से गहरा रहा है। एक नै और चौंकाने वाली ग्लोबल स्टडी में यह बात सामने आई है कि दुनिया के जलाशय बहुत तेजी से मिट्टी और गाद से भर रहे हैं। इसके चलते उनकी पानी स्टोर करने की क्षमता हर दशक में औसतन 7.3 फ़ीसदी की दर से कम होती जा रही है। चीनी वैज्ञानिकों के नेतृत्व में की गई यह रिसर्च बताती है कि इसका सबसे विनाशकारी असर छोटे जलाशयों पर पड़ रहा है, जो दुनिया भर में अरबों लोगों की रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करते हैं। यह रिसर्च नेचर सस्टेनेबिलिटी जर्नल में पब्लिश हुई है, जिसने पहली बार दुनिया के छोटे जलाशयों की इस गंभीर स्थिति को सबके सामने रखा है।

साइंटिस्ट्स ने रिमोट सेंसिंग, जियोस्पेशियल डेटा और इंजीनियरिंग रिकॉर्ड्स की मदद से 'ग्लोबल रिजर्वायर इन्वेंट्री' तैयार की है। इसमें दुनिया भर के साढ़े पांच लाख से अधिक जलाशयों की पहचान की गई है। रिसर्च में शामिल 95 फ़ीसदी से अधिक जलाशय एक स्क्वायर किलोमीटर से भी छोटे हैं। इससे पहले की स्टडीज में इन छोटे जलाशयों के डेटा को अक्सर छोड़ दिया जाता था। रिसर्चर्स के अनुसार, बड़े बांधों की तुलना में ये छोटे जलाशय बहुत तेजी से मिट्टी से भर रहे हैं।

जलाशय इंसानी बस्तियों के लिए लाइफलाइन की तरह काम करते हैं. ये बाढ़ नियंत्रण, सिंचाई, पीने के पानी की सप्लाई और हाइड्रोपावर (जलविद्युत) जनरेशन के लिए बेहद जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर हैं। जब नदियों के साथ बहकर आने वाली मिट्टी और गाद बांधों के पीछे जमा होने लगती है, तो उसे सेडिमेंटेशन कहा जाता है। यह गाद धीरे-धीरे पानी के लिए बची जगह को खत्म कर देती है, जिससे जलाशय की काम करने की क्षमता कमजोर हो जाती है। डेटा के मुताबिक, दुनिया की लगभग एक-चौथाई सिंचित कृषि भूमि इस बढ़ते खतरे की चपेट में है। इसका सीधा असर 2 अरब से भी ज्यादा लोगों की जिंदगी पर पड़ रहा है, जिससे भविष्य में भुखमरी और पानी के लिए बड़े टकराव की स्थिति बन सकती है।

न्यूज विंडो

खेत में छिपा रखे थे 16 लाख के छह बाइक-दो ट्रैक्टर, आरोपी गिरफ्तार

उज्जैन। उज्जैन-रतलाम में आतंक मचाने वाला वाहन चोर गैंग का पर्दाफाश हुआ है। जिन्होंने खेत में बने मकान को चोरी की गाड़ियों का गोदाम बना रखा था। थाना राघवी पुलिस ने एक बड़े गिरोह का पर्दाफाश कर एक शातिर आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से छह मोटरसाइकिल और दो महिंद्रा ट्रैक्टर समेत कुल 16 लाख 30 हजार रुपये का माल बरामद किया है। 18 मार्च 2026 को बारिश पिता मदनलाल नायक निवासी नीमखेड़ा ने थाना राघवी में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। खेड़ामदा गौशाला के पास खड़ी उसकी होंडा शाइन बाइक स्क्क13-क्क8594 अज्ञात बदमाश चुरा ले गए थे। पुलिस ने अपराध क्र. 96/2026 धारा 303(2) में केस दर्ज कर जांच शुरू की। एएसपी ग्रामीण आलोक कुमार शर्मा और एसडीओपी महिदपुर जेडेन लिंगजर्पा के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी काजलसिंह ने विशेष टीम गठित की। 2 जून को मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने तोफानसिंह पिता बनेसिंह गुर्जर, 26 वर्ष, निवासी नीमखेड़ा को हिरासत में लिया। पूछताछ में उसने चोरी की बाइक बरामद कराई। सख्ती से पूछने पर आरोपी ने साथी श्याम सिंह के साथ उज्जैन और रतलाम जिलों से वाहन चोरी करना कबूल किया। उसकी निशानदेही पर नीमखेड़ा स्थित खेत के मकान से 6 बाइक और 2 ट्रैक्टर मिले। आरोपी तोफानसिंह को महिदपुर न्यायालय में पेश किया गया जहां से उसे 16 जून तक न्यायिक हिरासत में उप जेल महिदपुर भेज दिया गया। फरार साथी श्याम सिंह की तलाश जारी है।

बड़वानी की स्नेहा ने एशिया कप हॉकी में जीता कांस्य पदक, जिले का बढ़ाया गौरव

बडवानी। जिले की प्रतिभावान हॉकी खिलाड़ी कुमारी स्नेहा दाऊदे ने जापान में आयोजित अंडर-18 एशिया कप हॉकी टूर्नामेंट में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए कांस्य पदक जीतकर देश, प्रदेश और जिले का गौरव बढ़ाया है। उनकी इस उपलब्धि पर जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों और खेल जगत से जुड़े लोगों ने बधाई दी है। जापान में आयोजित अंडर-18 एशिया कप हॉकी टूर्नामेंट में भारतीय टीम की ओर से खेलते हुए बड़वानी जिले की होनहार खिलाड़ी कुमारी स्नेहा दाऊदे ने उल्लेखनीय प्रदर्शन किया। भारतीय टीम ने प्रतियोगिता में कांस्य पदक हासिल किया, जिसमें स्नेहा दाऊदे की सहभागिता जिले के लिए गौरव का विषय बनी। उनकी सफलता से न केवल बड़वानी बल्कि पूरे मध्यप्रदेश का मान बढ़ा है। कुमारी स्नेहा दाऊदे जिला खेल एवं युवा कल्याण विभाग के हॉकी फीडर सेंटर से जुड़ी खिलाड़ी हैं। अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में पदक जीतने की इस उपलब्धि ने जिले के उभरते खिलाड़ियों के लिए नई प्रेरणा प्रस्तुत की है। उनकी सफलता की खबर मिलते ही जिलेभर में खुशी का माहौल बन गया और खेल प्रेमियों ने इसे बड़वानी के लिए गौरवपूर्ण क्षण बताया।

जेवरों वाला वीडियो पोस्ट करने के दो दिन बाद शिवपुरी में महिला यू-ट्यूबर के घर चोरी

शिवपुरी। जिले में एक महिला यू-ट्यूबर को सोने-चांदी के जेवरात दिखाते हुए वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर अपलोड करना महंगा पड़ गया। लाइक और सब्सक्राइब के चक्कर में बनाया गया वीडियो चोरों ने देख लिया और दो दिन बाद ही यू-ट्यूबर के घर धावा बोल दिया। चोर महिला यू-ट्यूबर के घर से करीब दो लाख रुपये नकद और सोने-चांदी के जेवरात चुरा ले गए हैं। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू कर दी है। शिवपुरी जिले के नरवर थाना अंतर्गत मोहानी ख्यावदा गांव की रहने वाली रचना गुर्जर एक चर्चित यू-ट्यूबर हैं। बीती रात रचना गुर्जर के घर को चोरों ने अपना निशाना बनाया। चोर देर रात घर की बाउंड्री पर लगी तार फेंसिंग काटकर मकान के अंदर घुसे और उनके कमरे की कुंडी बाहर से बंद कर दी। उस समय वह अपने पति ऊदल सिंह गुर्जर के साथ सो रही थीं। इसके बाद चोरों ने घर में लगे सीसीटीवी कैमरों का रुख भी ऊपर की ओर मोड़ दिया, जिससे चोरी की घटना रिकॉर्ड न हो सके। चोरों ने सीसीटीवी कैमरों को ऊपर की तरफ करने के बाद घर में रखी अलमारियों के तालों को तोड़ा और करीब 1 लाख 91 हजार रुपए नकद, एक सोने का मंगलसूत्र, चार सोने की अंगूठियां, चांदी की करधौनी तथा करीब 8 हजार रुपए कीमत की रेडबुल सॉफ्ट ड्रिंक की एक पेटी चोरी कर ले गए। चोरी गए माल कीमत की कीमत करीब 7 लाख रुपए है। शनिवार सुबह करीब 4 बजे रचना पानी पीने के लिए उठीं तो कमरे का दरवाजा बाहर से बंद मिला। रचना ने फोन कर परिवार के अन्य सदस्यों को बुलाया और दरवाजा खुलने के बाद देखा तो कमरे में अलमारी के ताले टूटे पड़े थे और सामान बिखरा हुआ था। अलमारी से नकदी एवं जेवरात गायब थे। इसके बाद तुरंत परिवार ने पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। बता दें कि रचना गुर्जर ने दो दिन पहले अपने यू-ट्यूब चैनल के लिए एक वीडियो बनाया था, इस वीडियो में रचना गुर्जर सोने-चांदी के कई जेवर रखे हुए थीं और बता रहीं थी कि ये जेवरात उन्हें शादी के वक्त उनके ससुराल वालों ने दिए थे।

कानफोड़ू आवाज निकालने वाली बाइक्स पर कार्रवाई, संयुक्त टीम ने चलाया चैकिंग अभियान

धार में 30 मॉडिफाइड साइलेंसरों पर चला बुलडोजर, मैकेनिकों को दिया अल्टीमेटम

धार। दोपहर मेट्रो

शहर की सड़कों पर कानफोड़ू आवाज और पटाखों जैसे धमाके कर दहशत फैलाने वाले मोटरसाइकिल चालकों के खिलाफ पुलिस ने सख्त कार्रवाई की है। सीएसपी सुजावल जग्गा के नेतृत्व में यातायात और कोतवाली पुलिस ने संयुक्त अभियान चलाते हुए दोपहिया वाहनों में लगे अवैध मॉडिफाइड साइलेंसरों को जब्त कर करीब 90 हजार रुपये कीमत के 30 मॉडिफाइड साइलेंसरों को यातायात थाना परिसर में बुलडोजर चलाकर पूरी तरह से नष्ट कर दिया गया।

पिछले कुछ समय से शहर के प्रमुख चौराहों और रिहायशी इलाकों में मॉडिफाइड साइलेंसर लगी बाइकों का आतंक बढ़ गया था, जिससे बुजुर्गों, बच्चों और मरीजों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। शिकायतें मिलने के बाद सीएसपी सुजावल जग्गा के निर्देशन में कोतवाली पुलिस और यातायात पुलिस ने विशेष चेकिंग पॉइंट लगाए। इस दौरान नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों को रोककर उनके साइलेंसरों को मौके पर ही निकलवाया गया और वाहन चालकों के खिलाफ सख्त चालानी कार्रवाई की गई।

90 हजार के साइलेंसर कबाड़ में किए तब्दील

पुलिस ने अभियान के दौरान कुल 30 अवैध मॉडिफाइड साइलेंसर जब्त किए थे इन सभी साइलेंसरों को जमीन पर बिछाकर उनके ऊपर बुलडोजर फिरवा दिया गया जिससे चंद सेकड़ में ही हजारों रुपये के ये साइलेंसर कबाड़ हो गए। । नष्ट किए गए साइलेंसरों की कुल बाजार कीमत लगभग 90 हजार रुपये आंकी गई है।

मैकेनिकों और दुकानदारों पर भी गिरेगी गाज

सीएसपी सुजावल जग्गा ने बताया कि इस कार्रवाई के साथ ही शहर के ऑटो पार्ट्स दुकानदारों और बाइक मैकेनिकों को भी चेतावनी देते हुए कहा है कि जो भी दुकानदार या मैकेनिक वाहनों में इस तरह के अवैध साइलेंसर फिट करते हुए पाया जाएगा, उसके खिलाफ भी कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस अब ऐसी दुकानों की भी निगरानी कर रही है जहाँ अवैध रूप से साइलेंसर बेचे या मॉडिफाई किए जाते हैं। ध्वनि प्रदूषण को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यह अभियान लगातार जारी रहेगा ताकि आम जनता को इस शोर से निजात मिल सके और यातायात नियमों का कड़ाई से पालन हो।

ब्यावरा में अनियंत्रित होकर पलटा टैंकर

राजगढ़। दोपहर मेट्रो

जिले के ब्यावरा से गुजरने वाले नेशनल हाइवे - 52 पर गत दिवस शाम को उस समय अफरा- तफरी मच गई, जब हजारों लीटर पेट्रोल से भरा एक टैंकर अचानक तकनीकी खराबी के कारण अनियंत्रित होकर पलट गया। गनीमत रही कि, टैंकर में आग नहीं लगी और एक बड़ा हादसा टल गया। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई, जबकि पुलिस ने तत्काल पहुंचकर स्थिति को संभाला। एहतियात के तौर पर तकरीबन एक घंटे तक यातायात रोकना पड़ा।

जानकारी के अनुसार, टैंकर नंबर एमपी 07-जेड के 7896 इंदौर से पेट्रोल भरकर मुरैना जिले कैलारस जा रहा था। शाम करीब 4 बजे देहात थाना क्षेत्र के कचनारिया रेशम केंद्र के पास अचानक टैंकर की स्टीयरिंग सिस्टम का हिस्सा फेल हो गया। इससे चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका और टैंकर सडक़ किनारे पलट गया। घटना की सूचना मिलते ही देहात थाना का फोर्स मौके पर पहुंचा और सुरक्षा व्यवस्था संभाली। पेट्रोल से भरे टैंकर के पलटने की सूचना मिलते ही आसपास के क्षेत्र में हडक़ंप मच गया।

मुंबई-आगरा हाईवे पर मौत का तांडव, दो भीषण सड़क हादसों में एक की जान गई, दूसरा गंभीर घायल

बडवानी। दोपहर मेट्रो

मुंबई-आगरा राष्ट्रीय राजमार्ग पर दो अलग-अलग सड़क हादसों में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि एक अन्य चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। दोनों दुर्घटनाएं कुछ घंटों के अंतराल में हुईं, जिससे हाईवे पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। पहला हादसा जामनिया के पास मुंबई जाने वाली लेन में हुआ। जानकारी के अनुसार सड़क किनारे खड़े ट्रक को पीछे से आ रहे दूसरे ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि ट्रक चालक केबिन में फंस गया। सूचना मिलने पर दुर्घटना सहायता समूह के सदस्य गौतम धरम, बिजासन चौकी पुलिस और अन्य ट्रक चालकों ने करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद चालक को बाहर निकाला। घायल चालक साजिद पुत्र मजीत, निवासी अलवर (राजस्थान) को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है।

ट्रेलर चालक की मौत

दूसरा हादसा रात करीब 2 बजे गवाड़ी हाईस्कूल के पास गतिरोधक के निकट हुआ। जहां एक ट्रेलर अनियंत्रित होकर आगे चल रहे एक अज्ञात वाहन से टकरा गया। दुर्घटना इतनी गंभीर थी कि ट्रेलर चालक छोटू मुवेल (35), निवासी मनावर, वाहन में फंस गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। बताया जा रहा है कि ट्रेलर मनावर से महाराष्ट्र के नरडाना की ओर जा रहा था। दोनों हादसों की सूचना मिलते ही बिजासन पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई शुरू की। पुलिस ने घायल चालक को अस्पताल पहुंचाया तथा मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। दुर्घटनाओं के कारण कुछ समय के लिए हाईवे पर यातायात प्रभावित रहा, जिसे पुलिस ने व्यवस्थित कर पुनः सुचारू कराया। पुलिस दोनों मामलों की जांच कर रही है।

घर में सो रहे बुजुर्ग दंपती की पीट-पीटकर हत्या, खेत से उठाकर सड़क पर फेंक दिए शव

टीकमगढ़। दोपहर मेट्रो

जिले के दिगौड़ा थाना क्षेत्र अंतर्गत रामनगर गांव में रविवार सुबह उस समय सनसनी फैल गई, जब खेत पर सो रहे बुजुर्ग दंपती की हत्या कर उनके शव सड़क किनारे पड़े मिले। प्रारंभिक जांच में मामला जमीनी विवाद से जुड़ा बताया जा रहा है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और एफएसएल टीम मौके पर पहुंची तथा जांच शुरू कर दी। जानकारी के अनुसार मृतक चेनु घोष और उनकी पत्नी पानाबाई मूल रूप से बछोड़ा गांव के निवासी थे, लेकिन वे अपने हिस्से की जमीन के कारण रामनगर स्थित ससुराल पक्ष के क्षेत्र में रह रहे थे। बताया जा रहा है कि उनका ससुराल पक्ष से लंबे समय से जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। रविवार सुबह ग्रामीणों ने दोनों के शव सड़क किनारे पड़े देखे, जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस सूत्रों के अनुसार दंपती शनिवार रात खेत पर सो रहे थे। आशंका है कि देर रात अज्ञात हमलावरों

ने लाठियों से हमला कर दोनों की हत्या कर दी। हत्या के बाद शवों को खेत से उठाकर सड़क किनारे फेंक दिया गया, जिससे घटना को किसी अन्य रूप में दिखाने का प्रयास किया जा सके। घटनास्थल पर पहुंचे एफएसएल अधिकारी डॉ. प्रदीप यादव ने बताया कि सुबह करीब 5 बजे पुलिस से सूचना मिलने पर उनकी टीम मौके पर पहुंची। प्रारंभिक जांच में दोनों मृतकों के शरीर पर लाठी जैसे भारी वस्तु से मारपीट के स्पष्ट निशान मिले हैं। उन्होंने बताया कि घटना रात 12 बजे से 3 बजे के बीच घटित होने की संभावना है। पंचनामा कार्रवाई के बाद दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मौत के सटीक कारणों की पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद होगी। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में दहशत और आक्रोश का माहौल है। ग्रामीणों ने आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की है। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए कई बिंदुओं पर जांच शुरू कर दी है और जमीनी विवाद के पहलू को भी खंगाला जा रहा है। इधर, जिले में बढ़ते अपराधों को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं।

उल्लेखनीय है कि पिछले महीने टीकमगढ़ शहर के एक व्यापारी की हत्या हुई थी, जिसका खुलासा अब तक नहीं हो सका है।

गिरधारी जी मंदिर में श्रीमद भागवत कथा का समापन

सुदामा प्रसंग ने भक्तों को किया भाव-विभोर

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

नगर के प्राचीन गिरधारी जी मंदिर में अग्रवाल संस्कार मंडल के तत्वावधान में चल रही सप्तदिवसीय श्रीमद भागवत कथा का भक्तिभावपूर्ण माहौल में समापन हुआ। कथा के अंतिम दिन पंडित अमानकृष्ण शास्त्री ने भगवान श्रीकृष्ण और सुदामा की मित्रता के मार्मिक प्रसंग का वर्णन कर श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया। पंडित अमानकृष्ण शास्त्री ने कथा सुनाते हुए कहा कि सुदामा और श्रीकृष्ण की मित्रता निस्वार्थ प्रेम का प्रतीक है। निर्धन ब्राह्मण सुदामा जब द्वारिका पहुंचे तो भगवान ने स्वयं सिंहासन से उठकर मित्र को गले लगाया और उनके पांव धोए। सुदामा द्वारा लाए गए चावल की पोटली को श्रीकृष्ण ने बड़े प्रेम से ग्रहण किया। शास्त्री जी ने कहा कि भगवान केवल सच्ची श्रद्धा और प्रेम के भूखे हैं, धन-दौलत के नहीं। सुदामा को बिना मांगे ही तीनों लोकों का वैभव दे दिया। इस प्रसंग को सुनकर पंडाल में मौजूद सैकड़ों भक्तों की आंखें नम हो गईं।

कथा के समापन दिवस पर सुबह विधि-विधान से हवन-पूजन किया गया। यजमान परिवारों ने आहुतियां दीं। इसके बाद भगवान की आरती और प्रसाद वितरण हुआ। अग्रवाल संस्कार मंडल की ओर से विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसादी ग्रहण की। मंदिर परिसर जय श्रीकृष्ण और राधे-राधे के जयकारों से गूंज उठा।

अग्रवाल संस्कार मंडल द्वारा आयोजित यह कथा 7 दिनों तक चली। इस दौरान पंडित अमानकृष्ण शास्त्री ने परीक्षित जन्म, ध्रुव चरित्र, प्रह्लाद चरित्र, वामन अवतार, कृष्ण जन्म, माखन चोरी, गोवर्धन पूजा, रासलीला, रुक्मिणी विवाह और सुदामा प्रसंग सहित भागवत के प्रमुख प्रसंगों का सरस वर्णन किया। प्रतिदिन सायंकाल 4 से 7 बजे तक चली कथा में महिलाओं और बुजुर्गों की विशेष उपस्थिति रही। अग्रवाल संस्कार मंडल के अध्यक्ष ने बताया कि गिरधारी जी मंदिर सिरोंज का प्राचीन और आस्था का केंद्र है। यहां भागवत कथा कराने का उद्देश्य नई पीढ़ी को सनातन संस्कारों से जोड़ना है। मंडल ने कथा वाचक पंडित अमानकृष्ण शास्त्री, सभी यजमान परिवारों, सहयोगियों और श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त किया। समापन अवसर पर नगर के नागरिक, मातृशक्ति और युवा बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। समिति ने बताया कि भविष्य में भी ऐसे धार्मिक आयोजन लगातार कराए जाएंगे ताकि धर्म और संस्कृति की धारा सतत प्रवाहित होती रहे।

मेट्रो एंकर

एसडीएम ने जिला चिकित्सालय का किया औचक निरीक्षण

अस्पताल में आने वाले मरीजों का करें बेहतर उपचार- एसडीएम

शहडोल।दोपहर मेट्रो

अनुविभागीय अधिकारी राजस्व अमृता गर्ग ने जिला चिकित्सालय के मेल एवं फीमेल सर्जिकल वार्ड सहित अन्य वार्डों का निरीक्षण कर स्वास्थ्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने जिला चिकित्सालय के प्रबंधक को निर्देश दिए कि जिला चिकित्सालय में आने वाले मरीजों को बेहतर से बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं, जिससे उन्हें किसी भी प्रकार की समस्या न हो। उन्होंने निर्देश दिए कि जिला चिकित्सालय में भर्ती मरीजों को जमीन पर न लिटाया जाए, परिसर की नियमित साफ-सफाई कराई जाए तथा डॉक्टर मरीजों के प्रति संवेदनशील व्यवहार करते हुए उनका समुचित उपचार सुनिश्चित करें।

अनुविभागीय अधिकारी राजस्व ने निरीक्षण के दौरान दवाइयों की उपलब्धता, भर्ती मरीजों, ओपीडी संचालन सहित अन्य

महत्वपूर्ण जानकारियां भी प्राप्त कीं। जिला चिकित्सालय में भर्ती मरीजों से चर्चा कर उनके स्वास्थ्य तथा अस्पताल द्वारा उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की जानकारी भी ली।

हालांकि आम नागरिकों के बीच यह चर्चा भी बनी रहती है कि कई चिकित्सक अपने निर्धारित ड्यूटी समय में जिला अस्पताल में पर्याप्त समय नहीं देते और निजी क्लीनिकों में अधिक सक्रिय दिखाई देते हैं। यदि प्रशासन अस्पताल निरीक्षण के साथ-साथ चिकित्सकों की वास्तविक उपस्थिति और समयपालन की भी नियमित जांच करे तो स्वास्थ्य सेवाओं में और अधिक सुधार संभव है। इसके अलावा जिला चिकित्सालय परिसर में कुछ कथित दलालों द्वारा मरीजों एवं उनके परिजनों से डॉक्टरों के नाम पर अवैध रूप से धन वसूली किए जाने की शिकायतें भी समय-समय पर सामने आती रही हैं। ऐसे मामलों की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कठोर कार्रवाई किया जाना आवश्यक है, ताकि गरीब और जरूरतमंद मरीजों का शोषण रोका जा सके तथा सरकारी स्वास्थ्य व्यवस्था पर जनता का विश्वास मजबूत हो। निरीक्षण के दौरान जिला चिकित्सालय प्रबंधक पूजा सोनी सहित अन्य चिकित्सक उपस्थित रहे।

तेंदूखेड़ा में पर्यावरण संतुलन, जैव विविधता संरक्षण एवं नागरिकों को प्रकृति से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम

नमो वन तेंदूखेड़ा पर्यावरण संरक्षण एवं हरित विकास का सशक्त केंद्र

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश शासन की पर्यावरण संरक्षण एवं हरित विकास संबंधी महत्वाकांक्षी पहल के अंतर्गत तेंदूखेड़ा नगर में विकसित किया जा रहा नमो वन (नगर वन) क्षेत्र में पर्यावरण संतुलन, जैव विविधता संरक्षण एवं नागरिकों को प्रकृति से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। यह परियोजना शहरी क्षेत्रों में हरित आवरण (ग्रीन कवर) बढ़ाने, स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण उपलब्ध कराने तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनजागरूकता विकसित करने के उद्देश्य से विकसित की जा रही है।

परिसर में विभिन्न प्रजातियों के फलदार, छायादार एवं औषधीय पौधों का बड़े पैमाने पर रोपण किया जाएगा, जिससे क्षेत्र की जैव विविधता को समृद्ध करने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण को भी बल मिलेगा। नमो वन परिसर में एक पेड़ माँ के नाम एवं एक वृक्ष प्रकृति के नाम जैसे जनभागीदारी आधारित अभियानों के माध्यम से स्थानीय नागरिकों, विद्यार्थियों, सामाजिक संगठनों तथा जनप्रतिनिधियों की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित की जा रही है। इन अभियानों का उद्देश्य केवल वृक्षारोपण तक सीमित नहीं है, बल्कि पौधों के संरक्षण एवं संवर्धन के प्रति सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करना भी है। परिसर को आकर्षक एवं उपयोगी स्वरूप प्रदान करने के लिए विभिन्न थीम आधारित वाटिकाओं का विकास किया जा रहा है। इनमें नवग्रह वाटिका, नक्षत्र वन, पंचवटी वन, स्मृति वन तथा औषधीय पौधों की विशेष वाटिकाएं शामिल हैं। ये वाटिकाएं पर्यावरणीय महत्व के साथ-साथ शैक्षणिक, सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक दृष्टि से भी विशेष उपयोगिता रखेंगी। आम नागरिकों के लिए नमो वन में प्रकृति पथ (नेचर ट्रेल) विकसित किए जा रहे हैं, जहां सुबह एवं शाम के समय भ्रमण का आनंद लिया जा सकेगा। इसके अतिरिक्त योग एवं ध्यान के लिए विशेष स्थान, ओपन जिम, साइकिलिंग ट्रैक तथा स्वास्थ्यवर्धक गतिविधियों हेतु आवश्यक सुविधाएं भी विकसित की जा रही हैं। बच्चों के लिए खेल मैदान, विश्राम स्थल, गजेबो एवं अन्य जनसुविधाओं की व्यवस्था भी परिसर में उपलब्ध होगी। क्षेत्र के खकरिया रोड स्थित नगर वन (तेंदूखेड़ा) में यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में आयोजित सेवा पखवाड़ा 2025 कार्यक्रम के अंतर्गत ÷नमो उपवन÷ कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। इस अवसर पर दमोह के युवा सांसद राहुल सिंह लोधी द्वारा वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। वन परिक्षेत्र अधिकारी तेंदुखेड़ा श्रेयांश जैन ने जानकारी देते हुए बताया कि नमो वन परिसर में प्रारंभिक रूप से 20 हजार पौधे रोपित किए जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जबकि हम यहां लगभग 22 हजार पौधों के रोपण करेंगे। नगर एवं आसपास के क्षेत्र के निवासियों के लिए नमो वन मध्यप्रदेश शासन की एक महत्वपूर्ण सौगात सिद्ध होगा। यह केवल एक हरित क्षेत्र नहीं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता संवर्धन, स्वास्थ्य संवर्धन एवं जनसहभागिता का एक प्रेरणादायक मॉडल बनकर उभरेगा। यहां नगरवासी वन एवं वन संपदा की अनुभूति करते हुए प्राकृतिक वातावरण में समय व्यतीत कर सकेंगे तथा आने वाली पीढ़ियों के लिए हरित एवं स्वच्छ भविष्य के निर्माण में सहभागी बनेंगे।

न्यूज विंडो

आचार्य श्री विद्यासागर दयोदय गोशाला में किया पौधरोपण

तेंदूखेड़ा। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आचार्य श्री विद्यासागर दयोदय गोशाला परिसर में प्रकृति संरक्षण एवं हरियाली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भव्य पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम महामंडलेश्वर स्वामी अखिलेश्वरानंद गिरि महाराज एवं बंटी महाराज के सानिध्य में संपन्न हुआ। इस अवसर पर प्रशासनिक अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, समाजसेवियों तथा छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर गोशाला परिसर को हरा-भरा बनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपे गए तथा उनके संरक्षण एवं नियमित देखभाल का भी संकल्प लिया गया। कार्यक्रम में एसडीएम सी.जी. गोस्वामी, तहसीलदार विवेक व्यास एवं वन विभाग के रेंजर श्रेयांश जैन विशेष रूप से उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। वक्ताओं ने कहा कि वर्तमान समय में पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के लिए वृक्षारोपण अत्यंत आवश्यक है। वृक्ष न केवल शुद्ध वायु प्रदान करते हैं, बल्कि जल संरक्षण, जैव विविधता एवं जलवायु संतुलन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस अवसर पर सांसद प्रतिनिधि मूरत सिंह, नगर पंचायत उपाध्यक्ष लक्ष्मी नामदेव दिनेश प्यासी शोभाराम नामदेव गजराज यादव तथा गोशाला अध्यक्ष संजय जैन पारसमणी सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने अधिक से अधिक पौधे लगाने एवं उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने का आह्वान किया।

हज़रत सैय्यद मुमताज अली का 40वां उर्स मुबारक शुरू

नरसिंहपुर। दरगाह हज़रत कचहेरी वाले बाबा कमेटी, नरसिंहपुर के तत्वावधान में सूफी संत हज़रत सैय्यद मुमताज अली र.अ. (कचहेरी वाले बाबा) का 40वां सालाना उर्स मुबारक अकीदत और एहतराम के साथ शुरू हो रहा है। दो दिवसीय इस धार्मिक व आध्यात्मिक आयोजन को लेकर जायरीन और अकीदतमंदों में भारी उत्साह देखा जा रहा है। उर्स के दौरान विभिन्न धार्मिक और रूहानी कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। उर्स कमेटी द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार 6 जून को उर्स का आगाज शनिवार को बाद नमाज़-ए-मग़रिब पवित्र कुरान खानी के साथ हुआ, जिसमें मुल्क में अमन-चैन की दुआ मांगी की गई। शनिवार की रात बाद नमाज़-ए-इशा मजार शरीफ पर पारंपरिक संदल पेश किया गया और मखमली चादर पोशी की रस्म अदा की गई। उर्स के दूसरे दिन यानी आज रविवार को बाद नमाज़-ए-मग़रिब से लेकर रात 12 बजे तक एक अजीम-उश-शान कव्वाली का प्रोग्राम आयोजित किया जाएगा। इसके तुरंत बाद सूफियाना कलामों के साथ महफ़िल-ए-रंग सजाई जाएगी। इस वर्ष उर्स मुबारक के मौके पर सूफियाना कलाम पेश करने के लिए हिंदुस्तान के मशहूर और मकबूल खानकाही कव्वाल जनाब सहाब अली वारसी साहब, देवा शरीफ, लखनऊ विशेष रूप से तशरीफ ला रहे हैं। वे अपनी मखमली आवाज में सूफियाना कव्वाली और नात-ओ-मनकबत पेश कर समां बांधेंगे। दरगाह हज़रत कचहेरी वाले बाबा कमेटी, नरसिंहपुर (म.प्र.) द्वारा जायरीन की सहूलियत के लिए दरगाह परिसर में लाइटिंग, बैठक व्यवस्था और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं।

फुनगा मंडल में भाजपा की मासिक कामकाजी बैठक संपन्न

अनूपपुर । भारतीय जनता पार्टी मध्य प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल , संभाग प्रभारी गौरव सिरोठिया एवं जिला प्रभारी संजय साहू के मार्गदर्शन में भाजपा जिला अध्यक्ष हीरा सिंह श्याम के नेतृत्व में मंडल अध्यक्ष मुकेश पटेल के अध्यक्षता में 6 जून को मासिक कामकाजी बैठक मंडल फुनगा में संपन्न हुआ। बैठक में जिला प्रभारी संजय साहू ने पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं से संवाद करते हुए कहा कि सभी पदाधिकारी को अपने मंडल के सभी बूथ के अध्यक्षों से निरंतर वार्तालाप करना है , मंडल के बूथ में निवासरत वरिष्ठ भाजपा के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं के घर जाकर पार्टी के आगामी बैठक एवं कार्यक्रम में उपस्थित होने के लिए सम्मान पूर्वक आमंत्रित करना है । मासिक कामकाजी बैठक में भारतीय जनता पार्टी के पूर्व जिला अध्यक्ष रामदास पुरी , मंडल अध्यक्ष मुकेश पटेल , मंडल प्रभारी विश्वनाथ सिंह, जिला मंत्री श्रीमती दुर्गावती पटेल जिला कार्यालय मंत्री चंद्रिका द्विवेदी, किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष नरेश मिश्रा महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष श्रीमती रश्मि खरे अनुसूचित जाति मोर्चा के जिला अध्यक्ष अमोल सिंह मार्को पूर्व जिला उपाध्यक्ष ज्ञानेंद्र सिंह परिहार व्यापारी प्रकोष्ठ जिला संयोजक राकेश गुप्ता विधि प्रकोष्ठ के जिला संयोजक नवनीत प्रताप सिंह , मंडल महामंत्री नरेंद्र प्रताप सिंह, मंडल उपाध्यक्ष प्रेम नाथ केवट उमेश अग्रवाल, रामकिशोर गौतम महेंद्र सिंह, वरिष्ठ भाजपा नेता सुनील पटेल वरिष्ठ भाजपा नेता डॉक्टर विष्णु मिश्रा मंडल मंत्री शिव प्रताप सिंह राठौर मनोज चंद्रा, एससी मोर्चा मंडल अध्यक्ष सरजू महरा, मंडल कोषाध्यक्ष नरमदिया सिंह, मंडल कार्यालय मंत्री राजाराम तिवारी, बूथ अध्यक्ष उदयभान सिंह एवं कार्यकर्तागण उपस्थित रहे।

कलेक्टर डीएफओ के साथ पहुंचे वीरांगना रानी दुर्गावती टाइगर रिजर्व क्षेत्र के गांवों में

ग्रामीणों से चर्चा कर जानीं समस्याएं जल्द निराकरण का दिया आश्वासन

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

दमोह कलेक्टर प्रताप नारायण यादव आज प्रातः 6 बजे जिला मुख्यालय से सीधे वीरांगना रानी दुर्गावती टाइगर रिजर्व क्षेत्र के गांव जहां विस्थापन की प्रक्रिया चल रही है यथा ग्राम दुधिया रैयत, सिंहपुरी उन्हारी खेड़ा पहुंचे ग्राम वासियों से रूबरू हुए उनकी समस्याएं सुनी और कहां आप लोग चिंता ना करें आपकी समस्या का हल किया जाएगा। उन्होंने कहा आपकी समस्याओं के समाधान के लिए डीएफओ साहब वन और राजस्व विभाग के अधिकारी सब यहां पर आए हुए हैं। कलेक्टर यादव ने ग्रामवासियों से कहा जो भी पात्र हैं, लाभान्वित किया जाएगा। उन्होंने कहा ग्राम उन्हारी खेड़ा में राजस्व और वन विभाग की टीम बुधवार के दिन आएगी शिविर आयोजित कर सभी की बातें व समस्याएं सुनी जाएंगीं और उनका निराकरण किया जाएगा। आप सभी लोग शिविर में पहुंचे आपकी समस्याओं का निराकरण संबंधित टीम द्वारा किया जाएगा।

कलेक्टर यादव ने इन ग्रामों में पहुंचने पर ग्रामवासियों में उत्साह नजर आ रहा था, साथ में वनमंडलाधिकारी नौरादेही भी थे, ग्रामवासी उनसे पूर्व में मिल चुके थे, दोनों के पहुंचने पर ग्रामवासी कह रहे थे कि अब निश्चित हमारे काम आसान हो जाएंगे। कलेक्टर श्री यादव ने अधिकारियों से कहा यहां के जो निवासी हैं इनके प्रकरणों का निराकरण 2 माह के भीतर कर दिया जाए, ग्रामीण जनों ने बताया कई बेटियों के विवाह अभी तक नहीं हो पाए हैं, उनकी उम्र भी काफी हो रही है, इन लोगों को इस बात की आशंका है कि उनका विवाह हो जाने से उन्हें मुआवजा नहीं मिल पाएगा इसलिए सारी प्रक्रिया शीघ्र सुनिश्चित की जाएगी। इन ग्राम वासियों की समस्याओं के निराकरण के लिए तीन दिवस बाद बुधवार 10 जून के दिन शिविर लगाया जाएगा ताकि उनकी समस्याओं का निराकरण हो जाए। नौरादेही क्षेत्र के इन गांवों के भ्रमण के दौरान गांवों के बुजुर्ग-युवा, महिलाएं सभी बड़े उत्साह से कलेक्टर से मिले और अपनी-अपनी बातें व समस्या बताई। कलेक्टर यादव ने सभी की बातों को गौर से सुना और कहा चिंता न करें सभी पात्र व्यक्तियों को लाभांवित सुनिश्चित किया जाएगा। टाइगर रिजर्व के वनमंडलाधिकारी रजनीश कुमार सिंह ने कहा रानी दुर्गावती टाइगर रिजर्व में जो दमोह जिले के गांव हैं उनमें विस्थापन की प्रक्रिया चल रही है और यहां लोगों की जो समस्याएं थी कुछ बाजिव मांगे थी। विगत 25 मार्च को प्रदेश के मुख्यमंत्री जब यहां प्रवास पर आए थे उन्होंने निर्देशित किया था विस्थापन से संबंधित जो भी समस्याएं हैं उनका हल किया जाए। उसी तारतम्य में कलेक्टर साहब भी यहाँ आये हैं, जोकि शासन की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। कलेक्टर साहब ने ग्रामीणों से चर्चा कर दो महीने के अंदर सभी समस्याओं का निराकरण का आश्वासन दिया है।

उन्होंने कहा वीरांगना रानी दुर्गावती टाइगर रिजर्व में 93 गांव आते हैं जो की तीन जिले में बंटे हुए हैं, 24 गांव दमोह जिले में आते हैं, जिनमें से कुछ गांव का विस्थापन प्रक्रिया में है और कुछ का पूर्ण हो चुका है। ग्रामीण इमरत लाल कहते हैं हमारे बीच कलेक्टर साहब आए यह हमें बहुत अच्छा लगा। कोई कलेक्टर साहब हमारे गांव में कभी नहीं आए यहां गरीबों को सुना जा रहा है इससे हम लोगों को बहुत अच्छा लग रहा है। कलेक्टर हो तो यादव जी जैसे हो...सभी ग्रामीण कलेक्टर के जयकारे लगा रहे थे। रिटायर्ड आर्मी के जगभान पाराशर ने कहा 2003 में, मैं आर्मी से रिटायरमेंट होकर यहां आया था तभी से मैं यहां निवासरत हूं, एक पंचवर्षीय कार्यकाल सरपंच भी रहा, जनपद सदस्य भी रहे इस अवसर पर एसडीएम तेन्दूखेड़ा छोटेगिरी गोस्वामी, एसडीओ वन बीपी तिवारी फारेस्ट विलेज रहली, तहसीलदार डॉ. विवेक व्यास, नायब तहसीलदार चन्द्रशेखर शिल्पी, रेंज आफीसर झापन नीतेश डेहरिया सहित वन विभाग के अन्य अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

कोल माफियाओं पर कार्रवाई या खानापूर्ति

राजस्व नुकसान के आकलन पर उठे सवाल

शहडोल। दोपहर मेट्रो

जिला खनिज अधिकारी द्वारा जारी जानकारी में कोल माफियाओं के खिलाफ लगातार कार्रवाई किए जाने का दावा किया गया है। विभाग के अनुसार केशवाही, जमुनिया, बटुरा और अमलाई क्षेत्र में अवैध कोयला खनन एवं परिवहन के मामलों में ट्रैक्टर-ट्रॉली, कोयला, वाटर पंप तथा इंजन जब्त किए गए हैं और अवैध खदानों को जेसीबी से भर दिया गया है। लेकिन विभागीय कार्रवाई के बावजूद कई महत्वपूर्ण सवाल अब भी अनुत्तरित हैं।

सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि जिन अवैध खदानों पर कार्रवाई की गई, वहां से कुल कितने घनमीटर (क्यूबिक मीटर) कोयले का अवैध उत्खनन हुआ, इसका कोई स्पष्ट आकलन सार्वजनिक नहीं किया गया। खनन नियमों के अनुसार अवैध उत्खनन की मात्रा का निर्धारण कर उसके आधार पर रॉयल्टी, पर्यावरणीय क्षति और राजस्व हानि का आकलन किया जाना चाहिए।

विशेषज्ञों का कहना है कि केवल ट्रैक्टर-ट्रॉली या उपकरण जब्त कर लेने से कार्रवाई पूरी नहीं मानी जा सकती। यदि खदानों से हजारों टन कोयला पहले ही निकाला जा चुका हो, तो वास्तविक राजस्व नुकसान का आंकलन किए बिना कार्रवाई अधूरी मानी जाएगी।

विभाग ने यह भी बताया कि नवंबर 2025 में दो ट्रैक्टर-ट्रॉलियों पर कुल 70,870 रुपये का अर्थदंड लगाया गया था। सवाल यह है कि यह जुर्माना किस आधार पर निर्धारित किया गया और क्या यह अवैध रूप से निकाले गए कोयले की वास्तविक मात्रा तथा उससे हुए राजस्व नुकसान के अनुरूप था।

विद्यालयों में मेगा अपार दिवस शिविर आयोजित

विद्यार्थियों की अपार आईडी निर्माण प्रक्रिया तेज

नरसिंहपुर। दोपहर मेट्रो

कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के निर्देशन एवं जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. अनिल कुशवाहा के मार्गदर्शन में जून माह के प्रत्येक शनिवार को जिले के समस्त शासकीय विद्यालयों में मेगा अपार दिवस शिविर आयोजित किए जाने के निर्देश दिए गए हैं। निर्देशों के परिपालन में माह के प्रथम शनिवार को जिले के विभिन्न विद्यालयों में मेगा अपार दिवस शिविर आयोजित किए गए।

शिविर में छात्र-छात्राओं की अपार आईडी निर्माण के लिए आवश्यक दस्तावेजों का सत्यापन एवं अवलोकन किया गया। जिन विद्यार्थियों के दस्तावेजों में सुधार की आवश्यकता थी, उन्हें आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया गया। दस्तावेज अपडेट प्राप्त होने वाले विद्यार्थियों की अपार आईडी जनरेट करने की प्रक्रिया पूर्ण की गई। विद्यालयों में आयोजित शिविरके अवलोकन के दौरान विकासखंड शिक्षा अधिकारी ब्रजेश शर्मा,जिला परियोजना समन्वयक मनीष चौकसे एवं बीआरसी ओ.पी. राय ने बताया कि आधार कार्ड में आवश्यक सुधार के लिए आयोजित होने वाले शिविरों की जानकारी का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए, जिससे छात्र-छात्राओं एवं अभिभावकों को आधार अपडेट कराने की सुविधा का लाभ मिल सके। जिले में सभी विद्यार्थियों की शत-प्रतिशत अपार आईडी जनरेट करने का लक्ष्य रखा गया है। पीएम श्री शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नरसिंहपुर में अवलोकन के दौरान जनपद शिक्षा केंद्र से बीएसी ब्रजेश नेमा द्वारा शिविर में यू-डाइस में सुधार की प्रक्रिया के संबंध में मार्गदर्शन दिया गया। शिविर में प्राचार्य श्रीमती आशा नेमा, कम्प्यूटर ऑपरेटर प्रकाश विश्वकर्मा, जनशिक्षक एच.पी. कोरी, राजकुमार कुशवाहा सहित छात्राएं एवं पालक उपस्थित रहे।

मेट्रो एंकर

धार में कुम्हार समाज के परंपरागत ईंट भट्टा स्थल पर अवैध कब्जे का आरोप

कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन, कहा-मंत्री ने किया कब्जा

धार। दोपहर मेट्रो

ग्राम मालीवाड़ा के कुम्हार समाज ने अपनी परंपरागत व्यवसाय भूमि पर हुए अवैध कब्जे और आजीविका के संकट को लेकर कलेक्टर धार को एक ज्ञापन सौंपा है। समाजजनों ने आरोप लगाया है कि वर्षों से आरक्षित ईंट भट्टा स्थल पर रसूखदारों द्वारा अवैध रूप से कब्जा कर लिया गया है, जिससे समाज के दर्जनों परिवारों के सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है।

ज्ञापन में बताया गया है कि ग्राम मालीवाड़ा स्थित सर्वे क्रमांक 830/1 कुम्हार समाज के परंपरागत ईंट भट्टा व्यवसाय हेतु आरक्षित स्थल है। इस स्थान पर देवचन्द पिता गणेशलाल प्रजापति और उनका परिवार पिछले 70-80 वर्षों से पीढ़ी-दर-पीढ़ी ईंट भट्टा संचालित करता आ रहा है। वर्तमान में इस आरक्षित भूमि पर वीर सावरकर मार्ग निवासी लोकेश परमार मंत्री द्वारा अवैध रूप से कब्जा कर लिया गया है, जिसके कारण समाज के लोग अपना काम नहीं कर पा रहे हैं। कुम्हार समाज के प्रतिनिधियों ने बताया कि मध्य प्रदेश शासन के राजस्व विभाग द्वारा 22 जनवरी को जारी प्रदेश के सभी कलेक्टरों को निर्देशित किया गया है कि प्रजापति समाज के परंपरागत व्यवसाय के संरक्षण हेतु भूमि आरक्षित की जाए और अतिक्रमण जैसी समस्याओं का प्राथमिकता से निराकरण किया जाए। मालीवाड़ा का यह मामला सीधे तौर पर शासन की मंशा और आदेशों के उल्लंघन का उदाहरण है। समाज ने कलेक्टर से मांग की है कि राजस्व अभिलेखों के आधार पर तत्काल जांच कराकर अवैध अतिक्रमण हटाया जाए। समाज को निर्बाध रूप से ईंट भट्टा व्यवसाय संचालित करने हेतु भूमि वापस दिलाई जाए। भविष्य में व्यवसाय संचालन के दौरान किसी भी प्रकार के विवाद, धमकी या कानून-व्यवस्था की स्थिति निर्मित होने की आशंका को देखते हुए समाज को पुलिस संरक्षण प्रदान किया जाए।समाज जनों ने चेतावनी दी है कि यदि भविष्य में वैध व्यवसाय संचालन के दौरान कोई अप्रिय घटना या जान-माल की क्षति होती है, तो इसकी पूरी जिम्मेदारी अवरोध उत्पन्न करने वाले की होगी। धर्मेन्द्र प्रजापति ने कहा कि हम दशकों से यहाँ ईमानदारी से काम कर रहे हैं, परिवार पिछले 70-80 वर्षों से पीढ़ी-दर-पीढ़ी ईंट भट्टा संचालित करता आ रहा है, आज रसूखदारों के आगे प्रशासन मौन है। अगर हमारी आजीविका छीनी जा रही है।

भारतीय क्रिकेट टीम में नए युग की शुरुआत

छह नए चेहरों के साथ बदल गई टीम इंडिया की तस्वीर, पांच दिग्गज बाहर

मुंबई, एजेंसी

भारतीय क्रिकेट में एक नए युग की शुरुआत होती नजर आ रही है। आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे के लिए घोषित भारतीय टी20 टीम ने कई बड़े सवालों और चर्चाओं को जन्म दे दिया है। चयनकर्ताओं ने ऐसे फैसले लिए हैं, जिन्होंने क्रिकेट जगत को चौंका दिया है। सबसे बड़ा झटका उस समय लगा जब टी20 विश्व कप 2026 में भारत को चैंपियन बनाने वाले कप्तान सूर्यकुमार यादव को न सिर्फ कप्तानी से हटाया गया, बल्कि पूरी टीम से बाहर का रास्ता दिखा दिया गया। उनकी जगह लंबे समय बाद वापसी करने वाले श्रेयस अय्यर को कप्तान बनाया गया है, जबकि 15 वर्षीय बल्लेबाजी सनसनी वैभव सूर्यवंशी पहली बार भारतीय टी20 टीम में शामिल हुए हैं।

वैभव बने सबसे बड़ा आकर्षण

पूरे टीम चयन में सबसे ज्यादा चर्चा 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी की हो रही है। राजस्थान रॉयल्स के इस युवा बल्लेबाज ने आईपीएल 2026 में ऐसा धमाका किया कि चयनकर्ताओं के लिए उन्हें नजरअंदाज करना मुश्किल हो गया।

कप्तानी का ताज श्रेयस के सिर, सभी रह गए हैरान

पिछले कुछ समय से श्रेयस अय्यर की टी20 टीम में वापसी की अटकलें लगाई जा रही थीं, लेकिन किसी ने नहीं सोचा था कि चयनकर्ता उन्हें सीधे कप्तान बना देंगे। श्रेयस ने 2023 के बाद कोई टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला नहीं खेला था। हालांकि घरेलू क्रिकेट और आईपीएल में उनके शानदार प्रदर्शन ने चयनकर्ताओं का भरोसा जीत लिया। आईपीएल 2026 में श्रेयस ने 14 मैचों में 498 रन बनाकर अपनी बल्लेबाजी का दम दिखाया। इसके अलावा कप्तान के रूप में उनकी रणनीति और नेतृत्व क्षमता भी लगातार चर्चा में रही। यही वजह रही कि चयनकर्ताओं ने टीम की कमान उनके हाथों में सौंप दी।

सूर्यकुमार यादव की विदाई बनी सबसे बड़ी चर्चा

टी20 विश्व कप जीतने के कुछ ही महीनों बाद सूर्यकुमार यादव का टीम से बाहर होना क्रिकेट प्रेमियों के लिए सबसे बड़ा झटका माना जा रहा है। आईपीएल 2026 में उनका प्रदर्शन उम्मीदों के अनुरूप नहीं रहा। लगातार खराब फॉर्म के चलते चयनकर्ताओं ने भविष्य की ओर देखने का फैसला किया। सिर्फ सूर्यकुमार ही नहीं, बल्कि स्पिनर कुलदीप यादव और फिनिशर रिंकू सिंह भी टीम में जगह बनाने में असफल रहे। वहीं स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या और तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को वर्कलोड मैनेजमेंट और फिटनेस के कारण आराम दिया गया है।

बदली टीम की तस्वीर

टी20 विश्व कप 2026 की टीम की तुलना में इस बार छह खिलाड़ियों की एंट्री हुई है। इनमें श्रेयस अय्यर, वैभव सूर्यवंशी, प्रिंस यादव, नीतीश कुमार रेड्डी, हर्षित राणा और रवि बिश्नोई शामिल हैं। इन खिलाड़ियों का चयन यह संकेत देता है कि टीम प्रबंधन अब युवाओं को अधिक अवसर देने की रणनीति पर काम कर रहा है। खासकर प्रिंस यादव और हर्षित राणा जैसे तेज गेंदबाजों को भविष्य की तेज गेंदबाजी इकाई का हिस्सा माना जा रहा है।

तिलक को मिली बड़ी जिम्मेदारी

चयनकर्ताओं ने युवा बल्लेबाज तिलक वर्मा को टी20 टीम का उप-कप्तान बनाकर बड़ा संदेश दिया है। पिछले कुछ वर्षों में तिलक ने अपनी बल्लेबाजी से लगातार प्रभावित किया है और टीम के भरोसेमंद खिलाड़ियों में जगह बनाई है। टीम प्रबंधन का मानना है कि आने वाले वर्षों में तिलक भारतीय क्रिकेट के नेतृत्व समूह का अहम हिस्सा बन सकते हैं। यही कारण है कि उन्हें अभी से बड़ी जिम्मेदारी सौंप दी गई है। श्रेयस अय्यर की कप्तानी, तिलक वर्मा की उप-कप्तानी और वैभव सूर्यवंशी जैसे युवा खिलाड़ियों की एंट्री यह बताती है कि भारतीय क्रिकेट में अब नई पीढ़ी का दौर शुरू हो चुका है।

टी20 के चयन का आधार आईपीएल और उम्र

शनिवार को बीसीसीआई ने आगामी आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली टी20 सीरीज के लिए टीम इंडिया की घोषणा कर दी है ।आखिरकार इस यंग टीम इंडिया के चयन में सभी कुछ वही देखने को मिला,जिसके कयास तमाम तरह के जानकार और विश्लेषक आईपीएल के बाद से ही जाहिर कर रहे थे ।आगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति के हालिया फैसले से ऐसा लगा कि श्रेयष अय्यर की अगुवाई में भारतीय टीम टी20 के नये दौर की तरफ बढ़ रहा है,जिसमे वैभव सूर्यवंशी जैसे युवा खिलाड़ी को मौका दिया गया है ।वहीं कुछ ऐसे भी खिलाड़ी हैं जो टी20 विश्व कप के बाद टीम में अपनी जगह बरकरार नहीं रख सके हैं ।भविष्य के मद्देनजर बनायी गयी इस टीम की कमान जहां श्रेयस अय्यर को सौंपी गई है वहीं, तिलक वर्मा को उनका डिप्टी बनाया गया है। 3 माह पहले ही टी20 वर्ल्ड चैंपियन टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव को न सिर्फ कप्तान के पद से हटाया गया है, बल्कि उनकी टीम से भी छुट्टी हो गई है ।इतना ही नहीं आईपीएल में गुजरात टीम को अपनी बल्लेबाजी के दमदार अंदाज से फाइनल तक पहुँचाने वाले दो फॉर्मेट वाले टीम इंडिया के कप्तान गिल भी चयनकर्ताओं को प्रभावित नहीं कर सके हैं। हालांकि गिल को मौका न मिलने की सबसे बड़ी वजह बल्लेबाजी क्रम के टॉप आर्डर में धमाकेदार विकल्पों की मौजूदगी कही जा सकती है ।अगर हम इस टीम के चयन पर बारीक नजर डालें तो ऐसा लगा है कि टीम के चयन में खिलाडियों की उम्र और उनके मौजूदा आईपीएल में प्रदर्शन दोनों को ही अहमियत दी गयी है ।वर्ल्ड चैंपियन टीम इंडिया के कप्तान सूर्यकुमार यादव के अलावा टीम का हिस्सा रहे रिंकू सिंह,हार्दिक पांड्या और कुलदीप यादव की विदाई तो हाल फिलहाल में कुछ ऐसा ही बयां करती है ।वजह एकदम साफ है कि अगर चयन के आधार यह दो पैमाने न होते तो फिर सूर्यकुमार यादव भले ही बतौर कप्तान मौका न दिया जाता लेकिन एक बल्लेबाज की हैसियत से कम से कम आखिरी मौका दिया जा सकता था ।अगर हम उनके टी20 वर्ल्ड कप में बतौर बल्लेबाज किरदार पर गौर करें तो फिर मध्यक्रम में 8 पारियों में 194 के स्ट्राइक रेट से 242 रनों के आंकड़े व पहले ही मुकाबले में अमेरिका के खिलाफ 49 गेंदों में उनकी 84 रनों की मैच जिताऊ पारी को नजरअंदाज तो नहीं किया जा सकता था ।लेकिन ऐसा लगता है कि इस मामले में उनकी उम्र और उसके बाद आईपीएल में उनका फॉर्म दोनों ने ही चयनकर्ताओं को कठोर फैसले के लिए प्रेरित किया ।हार्दिक पांड्या को लेकर भी चयनकर्ताओं का फैसला कुछ ऐसा ही नजर आया है ।जबकि कुलदीप यादव को भी दरकिनार कर रवि विश्नोई के चयन में उम्र की भूमिका अहम कही जा सकती है ।वैसे भी मौजूदा आईपीएल में फिरकी गेंदबाज तो फीके ही रहे हैं जिसकी खास वजह ज्यादातर विकेट सपाट बनायी गयी थी ।शायद इसी वजह से पूरे आईपीएल में फिरकी गेंदबाज कोई छाप भी नहीं छोड़ सके ।टीम के चयन में रिंकू सिंह ही एकमात्र खिलाड़ी रहे है जिनका चयन न होने की वजह किसी भी टीम में उनकी भूमिका तय न हो पाना है। टी20वर्ल्ड कप की टीम इंडिया से लेकर आईपीएल में कोलकाता के लिए उनका किरदार ही किसी भी टीम मैनजेमेंट के लिए पहेली बना रहा ।इसी वजह से न वो फिनिशर रहे न ही भरोसेमंद बल्लेबाज साबित हुए,जिस वजह से चयनकर्ताओं ने उनको भी नजरअंदाज करने का फैसला लिया ।खैर यह सब बातें तो किसी भी दौरे के लिए चयनित टीम के बाद निकल कर आती ही हैं ।खेल के तमाम जानकार और पूर्व दिग्गज खिलाड़ी के अपने आकलन और गणित भी हो सकते है,लेकिन फिर भी चयनकर्ताओं का नजरिया टीम को आगे ले जाने का ही रहता है ।अब यह देखना दिलचस्प रहेगा कि टीम इंडिया को आयरलैंड के दो और इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज में उनका यह फॉर्मूला कितना कारगर साबित होता है ।भले ही आयरलैंड के खिलाफ युवा दिग्गजों का यह टेस्ट चुनौतीपूर्ण न रहे,लेकिन इस इंग्लैंड के खिलाफ उन्ही की जमीन पर होने वाली टी20 सीरीज युवा खिलाड़ियों और चयनकर्ताओं के फैसले की असल परीक्षा साबित होगी।

आलोक गोस्वामी
खेल विश्लेषक

अफगानिस्तान सीरीज से बाहर हुए विराट, यशस्वी की हुई एंट्री; रोहित-हार्दिक की फिटनेस पर सस्पेंस

नई दिल्ली, एजेंसी

अफगानिस्तान के खिलाफ 13 जून से शुरू होने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज से भारतीय क्रिकेट टीम को बड़ा झटका लगा है। स्टार बल्लेबाज विराट कोहली चोट के कारण पूरी सीरीज से बाहर हो गए हैं। बीसीसीआई की चयन समिति ने उनकी जगह युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल को टीम में शामिल किया है। कोहली की गैरमौजूदगी में भारतीय बल्लेबाजी क्रम की जिम्मेदारी अब अन्य अनुभवी खिलाड़ियों के कंधों पर होगी।

बीसीसीआई मुख्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने कोहली की फिटनेस पर जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आईपीएल फाइनल के बाद अभी एक सप्ताह भी पूरा नहीं हुआ है और उनकी रिकवरी की समय-सीमा को लेकर फिलहाल कोई स्पष्ट जानकारी नहीं है। हालांकि उम्मीद की जा रही है कि कोहली इंग्लैंड के खिलाफ आगामी वनडे सीरीज तक फिट हो सकते हैं। अगरकर ने कहा कि टीम प्रबंधन और मेडिकल स्टाफ लगातार उनकी स्थिति पर नजर

बनाए हुए हैं और अंतिम फैसला फिटनेस रिपोर्ट के आधार पर लिया जाएगा। सीरीज से पहले भारतीय कप्तान रोहित शर्मा और ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या की फिटनेस भी चर्चा का विषय बनी हुई है। दोनों खिलाड़ियों को अंतिम टीम में शामिल होने से पहले फिटनेस टेस्ट पास करना होगा। हार्दिक पांड्या पीठ की चोट से उबरने के लिए बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में रिहैब कर रहे हैं। वहीं रोहित शर्मा भी हैमस्ट्रिंग चोट के कारण आईपीएल के कुछ मुकाबलों से बाहर रहे थे और अगले कुछ दिनों में फिटनेस क्लीयरेंस के लिए रिपोर्ट करेंगे।

यशस्वी जायसवाल को मिला बड़ा मौका

कोहली की जगह टीम में शामिल किए गए यशस्वी जायसवाल के लिए यह बड़ा अवसर माना जा रहा है। बाएं हाथ के इस युवा बल्लेबाज ने अपना आखिरी वनडे दिसंबर 2025 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेला था, जिसमें उन्होंने नाबाद 116 रन की शानदार शतकीय पारी खेली थी। अब तक खेले गए चार वनडे मैचों में जायसवाल 171 रन बना चुके हैं और उन्होंने अपनी प्रतिभा से चयनकर्ताओं को प्रभावित किया है। टीम प्रबंधन को उम्मीद है कि वह इस अवसर का पूरा फायदा उठाते हुए भारतीय बल्लेबाजी को मजबूती प्रदान करेंगे।

एसएएफएफ महिला चैम्पियनशिप, भारत ने छठी बार जीता खिताब

नई दिल्ली । भारतीय महिला फुटबॉल टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सैफ महिला चैंपियनशिप 2026 का खिताब अपने नाम कर लिया। फाइनल मुकाबले में भारत ने मौजूदा चैंपियन बांग्लादेश को 3-1 से हराकर रिकॉर्ड छठी बार ट्रॉफी जीती। सात वर्षों के लंबे इंतजार के बाद भारत ने एक बार फिर दक्षिण एशिया की चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। भारत की ओर से प्यारी जाक्सा (42वां मिनट), सैनफिदा नोंगरुम (46वां मिनट) और लिंडा कोम सेर्टो (82वां मिनट) ने गोल किए। वहीं, बांग्लादेश के लिए एकमात्र गोल रितु पोरना चकमा ने दागा।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

रणवीर की ड्रेसिंग चॉइस पर हंसती थी मशहूर एक्ट्रेस, किया ट्रोल

अब साथ काम करने की जताई इच्छा

रणवीर सिंह इस समय बॉलीवुड के सबसे बड़े सितारे बन चुके हैं। धुरंधर जैसी धमाकेदार फिल्में दे चुके एक्टर का इस समय हर कोई दीवाना बन चुका है। रणवीर के पीछे पूरी इंडस्ट्री का सपोर्ट है। कुछ दिन पहले जब उन्हें इंडस्ट्री में बैन किया गया था, तब कई लोग उनके लिए आगे आए थे। इसका कारण उनकी हालिया फिल्म की सक्सेस थी, जिसने हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में दोबारा जान फूंक दी। रणवीर सिंह की काबिलियत पर अक्सर कई लोगों ने शक किया है। लेकिन एक्टर ने हमेशा अपने काम से खुद को साबित किया है। हाल ही में 90ह्य की मशहूर एक्ट्रेस मधु ने भी इस बात को माना है। वो एक समय पर रणवीर की आलोचकों में से एक थीं। मगर एक्टर ने अपनी एक्टिंग से उनका दिल जीत लिया। हाल ही में मधु ने हिंदी रश से कहा कि उन्होंने एक जमाने में शाहरुख खान के साथ काम किया था। मगर वो प्रोजेक्ट

किसी कारण से बंद हो गया। अब वो रणवीर सिंह के साथ काम करना चाहेंगी। एक्ट्रेस को रणवीर ने कई चीजों से प्रभावित किया है। उन्होंने एक्टिंग में दिलचस्पी रखने वाले एक्टर्स को रणवीर से कुछ सीखने की सलाह भी दी है। मधु का कहना है- एक बात जो नए एक्टर्स को रणवीर सिंह से सीखनी चाहिए, वो ये है कि वो किसी की भी राय की परवाह नहीं करते। जब वो फिल्म इंडस्ट्री में आए थे, तब खुद मैं भी उन लोगों में से एक थी जिन्हें रणवीर पसंद नहीं थे। मैं सोचती थी कि वो ठीक-ठाक हैं, शायद अच्छे एक्टर हैं। लेकिन बाद में जब मैंने दिल धड़कने दो, गली बॉय और उनकी दूसरी फिल्में देखीं, तो मेरा पूरा नजरिया बदल गया।

मधु के लिए स्टाइल आइकॉन हैं रणवीर

मधु ने आगे रणवीर की स्टाइलिंग की तारीफ की। उन्होंने कहा- आजकल रणवीर को स्टाइल आइकॉन और बेहतरीन एक्टर्स में से एक माना जाता है। मुझे खुद लगता है कि वो बहुत कूल हैं। उसमें हिम्मत थी कि लोग उसका मजाक उड़ाएं तो भी वो डटकर खड़ा रहा। एक एक्टर के लिए ये सबसे बड़ी खूबी है। जब लोग हमारा मजाक उड़ाते हैं तो हम खुद को बदलने की कोशिश करते हैं। हम सब कुछ करके भीड़ में घुलमिल जाना चाहते हैं। लेकिन रणवीर कभी भीड़ में घुले नहीं।

प्यार पर दोहरे मानदंड क्यों? माधुरी दीक्षित ने पितृ सत्तात्मक सोच पर उठाए सवाल

बॉलीवुड अभिनेत्री माधुरी दीक्षित इन दिनों नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई अपनी क्राइम-कॉमेडी ड्रामा फिल्म माँ-बहन को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म के प्रमोशन के दौरान माधुरी ने समाज में महिलाओं और पुरुषों के प्रति अपनाए जाने वाले अलग-अलग मानदंडों पर खुलकर अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि रिश्तों और प्रेम संबंधों के मामलों में आज भी महिलाओं को पुरुषों की तुलना में ज्यादा आलोचना और सामाजिक दबाव का सामना करना पड़ता है।

माधुरी ने एक बातचीत में कहा कि भारतीय समाज लंबे समय से पितृ सत्तात्मक सोच से प्रभावित रहा है। इसी कारण पुरुषों और महिलाओं के व्यवहार को लेकर अलग-अलग पैमाने बनाए गए हैं। उनके अनुसार यदि कोई पुरुष कई रिश्तों में रहता है तो उसे अक्सर आकर्षक या लोकप्रिय माना जाता है, जबकि वही काम किसी महिला द्वारा किए जाने पर उसे नकारात्मक नजरिए से देखा जाता है।

अभिनेत्री का मानना है कि उनकी नई फिल्म 'मां बहन' इसी तरह की पुरानी सामाजिक धारणाओं को चुनौती देती है। उन्होंने कहा कि फिल्म के किरदार परफेक्ट नहीं हैं, बल्कि उनमें कमियां हैं, वे उलझे हुए हैं और बिल्कुल वास्तविक जीवन के लोगों की तरह

दिखाई देते हैं। यही वजह है कि दर्शक उनसे आसानी से जुड़ाव महसूस कर सकते हैं।

माधुरी ने कहा कि फिल्म में महिलाओं को मजबूत, आत्मनिर्भर और परंपरागत नियमों को तोड़ने वाले रूप में प्रस्तुत किया गया है। उनका मानना है कि हर महिला को सम्मान और गरिमा के साथ अपनी जिंदगी जीने का अधिकार है। उन्होंने बताया कि फिल्म बनाते समय समाज द्वारा बनाए गए कई पारंपरिक नियमों को तोड़ा गया और यही इसकी सबसे बड़ी खासियत है।

मेट्रो बाजार

गूगल 2029 तक स्पेसएक्स को देगा 30 अरब डॉलर, एआई कंप्यूटिंग क्षमता के लिए हुआ बड़ा समझौता

नई दिल्ली । एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स ने कहा है कि गूगल की मूल कंपनी अल्फाबेट ने क्लाउड सेवाओं से जुड़े एक समझौते के तहत कंप्यूटिंग क्षमता हासिल करने के लिए हर महीने 92 करोड़ डॉलर का भुगतान करने पर सहमति जताई है, जो अक्टूबर 2026 से जून 2029 तक चलेगा। अमेरिका में एक्सचेंज फाइलिंग के अनुसार, इस करार की कुल कीमत लगभग 30 अरब डॉलर बैठती है। यह राशि समझौते की पूरी अवधि के दौरान मासिक भुगतान के आधार पर तय की गई है। स्पेसएक्स ने बताया कि इस समझौते के तहत गूगल को 1,10,000 एनवीडिया ग्राफिक्स प्रोसेसिंग यूनिट (जीपीयू) के साथ-साथ सेंट्रल प्रोसेसिंग यूनिट (सीपीयू), मेमोरी और अन्य संबंधित हार्डवेयर तक पहुंच प्राप्त होगी। यह क्षमता गूगल की एआई सेवाओं को मजबूत करने में मदद करेगी। एनवीडिया के एच200 चिप्स की क्षमता के आधार पर अनुमान लगाया गया है कि यह व्यवस्था 100 मेगावाट से अधिक कंप्यूटिंग शक्ति उपलब्ध करा सकती है, जो किसी भी समय लगभग 75,000 घरों को बिजली उपलब्ध कराने के बराबर मानी जा रही है। एक्सचेंज फाइलिंग के अनुसार, यदि स्पेसएक्स 30 सितंबर तक एनवीडिया चिप्स तक पहुंच उपलब्ध नहीं करा पाता है, तो गूगल को समझौता समाप्त करने का कानूनी अधिकार होगा। इसके लिए एक महीने की अतिरिक्त छूट अवधि भी दी गई है।

2026 में अब तक टेक सेक्टर में गईं एक लाख से ज्यादा नौकरियां

नई दिल्ली । एक नई रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2026 के पहले पांच महीनों में प्रौद्योगिकी (टेक) सेक्टर में 1 लाख से अधिक नौकरियां खत्म हो चुकी हैं। इनमें से केवल मई महीने में ही करीब 28,900 कर्मचारियों की छंटनी की गई है। लेऑफ डॉट एफवाईआई की रिपोर्ट के मुताबिक, इस वर्ष अब तक कुल 1,16,739 टेक कर्मचारियों की नौकरी जा चुकी है। रिपोर्ट में बताया गया कि मई 2025 में केवल 10,577 नौकरियों में कटौती की घोषणा हुई थी, जबकि इस साल मई में यह संख्या बढ़कर 28,889 हो गई, जो पिछले साल की तुलना में दोगुने से भी अधिक है।

हालांकि, इस साल अब तक छंटनी के लिहाज से मार्च सबसे खराब महीना रहा। मार्च में 46,000 से अधिक कर्मचारियों को नौकरी से निकाला गया। रिपोर्ट के अनुसार, उबर, मेटा, क्लाउडफ्लेयर, इंट्यूट, पेपाल, सिस्को, क्वोरा और कॉइनबेस जैसी बड़ी कंपनियों ने बड़े स्तर पर कर्मचारियों की छंटनी की।

उबर ने खुलासा किया कि उसकी ÷पीपल एंड प्लेसेस÷ डिवीजन में 23 प्रतिशत कर्मचारियों की कटौती की गई। हालांकि, यह कंपनी के लगभग 34,000 कर्मचारियों वाले वैश्विक कार्यबल का 1 प्रतिशत से भी कम हिस्सा है। उबर की ÷पीपल एंड प्लेसेस÷ डिवीजन मानव संसाधन, भर्ती, कार्यस्थल सुविधाओं और कंपनी संस्कृति से जुड़े कार्यों का प्रबंधन करती है। इसके अलावा, मेटा ने घोषणा की कि वह अपने वैश्विक कर्मचारियों की संख्या में 10 प्रतिशत कटौती कर रही है। साथ ही करीब 7,000 कर्मचारियों को एआई-आधारित भूमिकाओं में स्थानांतरित किया जा रहा है।

हिमाचल में जून की बर्फबारी, शिंकुला व रोहतांग दर्रे में गिरे बर्फ के फाहे; झूम उठे पर्यटक

मनाली। जून महीने के चिलचिलाते तापमान के बीच मनाली के पर्यटन स्थलों में पहुंच रहे पर्यटकों का स्वागत बर्फ के फाहों से हो रहा है। यहां मौसम सुहावना हो गया ओर इन स्नो प्वाइंट में गए पर्यटकों का स्वागत बर्फ के फाहों से हुआ। पर्यटकों ने बर्फ के फाहों में मस्ती कर अपने टूर को यादगार मनाया। साढ़े तीन हजार से अधिक पर्यटक वाहन मनाली पहुंचे है। स्तरीय होटल एडवांस में पैक है जबकि सभी छोटे बड़े होटल भी पैक हो गए हैं। मनाली सहित लाहुल के समस्त पर्यटन स्थलों में रौनक दो गुना हो गई है। होटलियर एसोसिएशन मनाली के अध्यक्ष रोशन ठाकुर ने बताया कि जून महीने में ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फ के फाहे सैलानियों के आकर्षण का केंद्र बने हुए है। उन्होंने उम्मीद जताई कि पर्यटन की दृष्टि से जून महीना बेहतर रहेगा।

कॉकरोच जनता पार्टी के करोड़ों फॉलोअर्स, जंतर-मंतर पर जुटे केवल दो हजार

सोशल मीडिया पर लाइक-शेयर ने जगाई उम्मीद, भीड़ ने तोड़ा भ्रम

नई दिल्ली, एजेंसी

सोशल मीडिया पर लाइक, शेयर और करोड़ों फॉलोअर्स के दम पर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने जंतर-मंतर के प्रदर्शन को युवाओं के बड़े शक्ति प्रदर्शन में बदलने की उम्मीद जगाई थी। प्रदर्शन से पहले इंस्टाग्राम और अन्य प्लेटफॉर्म पर अभियान ने जबरदस्त चर्चा बटोरी, लेकिन शनिवार को धरना स्थल पर जुटी भीड़ ने डिजिटल लोकप्रियता और जमीनी संगठन के बीच मौजूद बड़े अंतर को उजागर कर दिया। पार्टी के इंस्टाग्राम पर 22.2 मिलियन यानी 2.22 करोड़ फॉलोअर्स और एक्स प्लेटफॉर्म पर 266.9 के यानी 2 लाख 66 हजार 9 सौ फॉलोअर्स है। पुलिस के मुताबिक जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के दौरान 2000 से भी कम लोग जुटे।

शिक्षा व्यवस्था और परीक्षा अनियमितताओं के खिलाफ आवाज बुलंद करने के लिए बने इस आंदोलन ने ऑनलाइन दुनिया में भले ही करोड़ों लोगों तक पहुंच बनाई हो, मगर जंतर-मंतर की हकीकत ने यह सवाल भी खड़ा कर दिया कि क्या फॉलोअर की संख्या को जनाधार का पैमाना माना जा सकता है। प्रदर्शन से पहले पार्टी के समर्थकों ने सोशल मीडिया पर लगातार पोस्ट, वीडियो और अपीलें जारी की थीं। माहौल ऐसा बनाया गया था कि मानों जंतर मंतर पर जनसैलाब उमड़ पड़ेगा। यही वजह रही कि सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध के लिए जंतर-मंतर पर दिल्ली पुलिस के 500 जवान और अर्द्धसैनिक बलों की कई टुकड़ियां एयरपोर्ट से लेकर जंतर-मंतर तक तैनात की गईं थीं। दिल्ली पुलिस ने भी अभिजीत दीपके के रूट के लिए अलग से फोर्स तैनात की हुई थी।

डिजिटल समर्थन की चमक पड़ी फीकी

दिल्ली यूनिवर्सिटी के छात्र रमन अपने दोस्तों के साथ पहुंचे थे। उनके हाथ में पोस्टर था और चेहरे पर जोश, लेकिन भीड़ देखकर वह निराश दिखे। उन्होंने कहा कि हमने तो तीन चार दिन से यही देखा कि हर जगह यही मुद्दा ट्रेंड कर रहा है। हमें लगा कि यहां हजारों लाखों लोग आएंगे लेकिन यहां तो आराम से खड़े होकर बातचीत हो रही है। गुरुग्राम से आई निशा ने भी यही अनुभव साझा किया। उन्होंने बताया कि जो लोग सबसे ज्यादा लिख रहे थे, वह यहां नहीं दिखे। कुछ लोग मान रहे थे कि डिजिटल फॉलोअर्स का मतलब यह नहीं कि सभी लोग सक्रिय समर्थक हों। ऐसे लोग जरूरी नहीं कि सड़क पर उतरें।

विरोध में लगे जय श्री राम के नारे

सीजेपी के प्रदर्शन के दौरान माहौल उस समय और अधिक गर्म हो गया जब विरोध करने वाले कई लोग मौके पर पहुंचे और अभिजित दीपके के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी। इस दौरान कुछ समूहों ने जय श्री राम के नारे भी लगाए, जिससे वहां स्थिति खराब होने लगी। विरोध में आए लोगों के अनुसार, वह पार्टी की नीतियों से पूरी तरह असहमत हैं और सोशल मीडिया पर बनाए गए माहौल को वह जमीनी हकीकत से अलग मानते हैं। प्रदर्शनकारी मनोज ने बताया कि ऑनलाइन दिखाने के लिए बहुत कुछ होता है, लेकिन जमीन पर काम दिखाई नहीं देता। इसलिए हम यहां विरोध दर्ज कराने आए हैं। एक अन्य प्रदर्शनकारी राजेश ने बताया कि फॉलोअर्स और ट्रेंड से जनता का भरोसा नहीं बनता, काम दिखना चाहिए।

TDP ने राज्यसभा चुनाव के लिए घोषित किए तीन उम्मीदवार

अमरावती। आंध्र प्रदेश में आगामी राज्यसभा चुनाव को लेकर सियासी हलचल तेज हो गई है। सत्तारूढ़ तेलुगु देशम पार्टी ने अपने तीन उम्मीदवारों के नाम घोषित कर दिए हैं। टीडीपी प्रमुख और मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने चिंतकायला विजय, भाष्यम रामकृष्ण और मौजूदा राज्यसभा सदस्य साना सतीश को पार्टी उम्मीदवार बनाया है। नायडू ने वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में तीनों नेताओं को बी-फॉर्म सौंपे। इस फैसले को टीडीपी की नई राजनीतिक रणनीति और संगठन में वफादार नेताओं को आगे बढ़ाने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है।

टीडीपी ने जिन तीन नेताओं को राज्यसभा चुनाव के लिए उम्मीदवार बनाया है, उनमें चिंतकायला विजय पार्टी संगठन में लंबे समय से सक्रिय रहे हैं। विजय फिलहाल टीडीपी के प्रदेश महासचिव हैं और पहले तेलुगु युवथा के अध्यक्ष भी रह चुके हैं।

नोट गिनते-गिनते थके अधिकारी

धनकुबेर इंजीनियर: पांच इमारतें-14 प्लॉट और दो करोड़ से ज्यादा कैश बरामद

भुवनेश्वर। ओडिशा विजिलेंस विभाग ने आय से अधिक संपत्ति के मामले में एक सरकारी इंजीनियर पर बड़ी कार्रवाई की है। इस छापेमारी में करोड़ों रुपये की संपत्ति का खुलासा हुआ। विजिलेंस ने कंधमाल जिले के बालीगुडा में तैनात असिस्टेंट एग्जीक्यूटिव इंजीनियर बैकुंठ नाथ बेहेरा के ठिकानों पर छापे मारे।

कार्रवाई में क्या हुआ जब्त: जांच के दौरान बेहेरा के पास से दो करोड़ रुपये से ज्यादा का नकद कैश मिला है। इसके साथ ही पांच आलीशान बहुमंजिला इमारतें और 14 कीमती जमीन के प्लॉट भी मिले हैं। विजिलेंस विभाग को 341 ग्राम सोने के गहने और 45 लाख रुपये से ज्यादा के बैंक डिपॉजिट का पता चला है।

अधिकारियों ने बताया कि बेहेरा और उनकी पत्नी के नाम पर कुल चार बैंक लॉकर मिले हैं। इनमें से दो लॉकरों से ही दो करोड़ रुपये से ज्यादा कैश बरामद हुआ।

6 हजार की नौकरी से हुई थी शुरूआत

विजिलेंस के रिकॉर्ड के अनुसार, बैकुंठ नाथ बेहेरा ने साल 1999 में सरकारी नौकरी शुरू की थी। उस समय वह नबरंगपुर ब्लॉक में जूनियर इंजीनियर थे और उनका वेतन केवल 6,000 रुपये था। इसके बाद उन्होंने नबरंगपुर और उडाला में अलग-अलग पदों पर काम किया। अक्टूबर 2016 में उन्हें असिस्टेंट इंजीनियर के पद पर प्रमोशन मिला।

डीयू प्रोफेसर मर्डर केस में बड़ा खुलासा, प्रॉपर्टी को लेकर विवाद में हुई थी हत्या; महिला समेत तीन गिरफ्तार

दिल्ली। वसुंधरा एन्क्लेव के सत्यम एन्क्लेव में दिल्ली विश्वविद्यालय की सहायक प्रोफेसर डॉ. देबोस्मिता पॉल की हत्या का रहस्य सुलझ गया है। पूर्वी दिल्ली जिला पुलिस ने इस मामले में एक महिला समेत तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस के अनुसार, हत्या प्रॉपर्टी विवाद में हुई। डॉ. देबोस्मिता पॉल पश्चिम बंगाल में अपने नाना की जमीन की वारिस थीं। उनके बड़े भाई और बहन उस जमीन को बेचना चाहते थे, लेकिन डॉ. देबोस्मिता इसकी बिक्री के लिए तैयार नहीं थीं।

वहीं, उसी जमीन पर रह रहे किरायेदार दंपति ने जमीन खरीदने की इच्छा जताई थी। जब प्रोफेसर ने मना कर दिया तो किरायेदार दंपति अपने बच्चे के साथ बंगाल से दिल्ली पहुंचे। वे प्रोफेसर के घर गए, जहां विवाद बढ़ गया और आरोपीयों ने सिर पर भारी वस्तु से वार कर उनकी हत्या कर दी।

न्यूज विंडो

गुरुग्राम में डबल मर्डर से सनसनी पति ने पत्नी और बेटे को गोली मारी

गुरुग्राम। अशोक विहार क्षेत्र में आज तड़के हुए दोहरे हत्याकांड से इलाके में सनसनी फैल गई। आरोप है कि 50 वर्षीय अनिल ने अपनी पत्नी और बेटे को गोली मारकर मौत के घाट उतार दिया। घटना आधी रात के बाद की बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, अनिल सिक्योरिटी ऑफिसर के पद पर कार्यरत है। उसकी 45 वर्षीय पत्नी आशा एक निजी स्कूल में प्रिंसिपल थीं, जबकि 25 वर्षीय बेटा प्रशांत परिवार के साथ रहता था। गोली लगने से आशा और प्रशांत की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे क्षेत्र को घेर लिया। इसके बाद फोरेंसिक टीम को भी बुलाया गया, जिसने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है। प्रारंभिक तौर पर पारिवारिक विवाद सहित अन्य संभावित कारणों को भी जांच के दायरे में रखा गया है।

रुद्रप्रयाग में बड़ा हादसा: तिलवाड़ा के पास खाई में गिरी कार, 5 घायल

रुद्रप्रयाग। गौरीकुंड हाईवे पर तिलवाड़ा के पास सुबह लगभग पांच बजे एक वाहन गहरी खाई में गिरने से पांच यात्री घायल हो गए, यात्रियों को खाई में निकालकर जिला अस्पताल लाया गया है, जहां उनका उपचार चल रहा है। जिला कंट्रोल रूम को सूचना मिली कि तिलवाड़ा पेट्रोल पंप के समीप एक महिंद्रा एक्सयूवी 700 (यूपी16-डीके0856) अनियंत्रित होकर सड़क से करीब 50 मीटर नीचे नदी किनारे पानी में जा गिरी है।सूचना मिलते ही चौकी तिलवाड़ा और कोतवाली अगस्त्यमुनि की पुलिस टीम आवश्यक आपदा उपकरणों के साथ मौके पर पहुंची। साथ ही एसडीआरएफ, डीडीआरएफ तथा 108 आपातकालीन सेवा को भी तत्काल घटनास्थल के लिए रवाना किया गया। दुर्घटनाग्रस्त वाहन में पश्चिम बंगाल से केदारनाथ धाम की यात्रा पर जा रहे पांच यात्री सवार थे।

चिदंबरम का बड़ा दावा- डीएमके को जानकारी देने के बाद ही कांग्रेस ने टीवीके को दिया था समर्थन

चेन्नई, एजेंसी

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी. चिदंबरम ने कहा है कि उनकी पार्टी ने टीवीके को समर्थन देने का फैसला डीएमके नेतृत्व को जानकारी देने के बाद ही लिया। तमिलनाडु में 23 अप्रैल को हुए विधानसभा चुनावों में कांग्रेस और डीएमके ने मिलकर चुनाव लड़ा था। चुनाव के बाद टीवीके को सरकार बनाने में मदद करने के लिए कांग्रेस ने सबसे पहले अपने पांच विधायकों का समर्थन देने की पेशकश की थी।

चिदंबरम ने शनिवार को एक निजी समाचार चैनल को बताया कि अगर टीवीके सदन में बहुमत हासिल नहीं कर पाती, तो राज्य में दोबारा चुनाव कराने की नौबत आ जाती। वे और उनके गठबंधन के साथी इस स्थिति से बचना चाहते थे। उन्होंने कहा कि आम जनता भी दोबारा चुनाव नहीं चाहती थी।

अब परिस्थितियां बदल चुकी हैं, टीवीके सरकार को जल्द उखाड़ फेंकेगे : स्टालिन

DMK अध्यक्ष और तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने सत्तारूढ़ तमिलगा वेत्री कड़गम सरकार पर करारा प्रहार किया है। उन्होंने दावा किया कि मौजूदा TVK सरकार उन दलों के समर्थन से चल रही है, जो कभी द्रमुक के नेतृत्व वाले गठबंधन का हिस्सा थे। इसके साथ ही, स्टालिन ने संकल्प लिया कि उनकी पार्टी जल्द ही इस सरकार का अंत करेगी। स्टालिन ने आरोप लगाया कि सरकार उन दलों के समर्थन पर निर्भर है, जो कभी डीएमके के नेतृत्व वाले गठबंधन का हिस्सा थे और उस गठबंधन के तहत विस सीटें हासिल की थीं।

ट्रंप की टेक टीम को बड़ा झटका, व्हाइट हाउस के एआई सलाहकार देंगे इस्तीफा

वाशिंगटन, एजेंसी

व्हाइट हाउस में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस नीति के प्रमुख सलाहकार रहे भारतीय मूल के श्रीराम कृष्णन जून के अंत में अपना पद छोड़ देंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के कार्यकाल में एआई रणनीति तैयार करने में अहम भूमिका निभाने वाले कृष्णन ने खुद सोशल मीडिया पर अपने इस्तीफे की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अब वह अमेरिका के सामने एआई से जुड़े बड़े मुद्दों पर नए स्तर पर काम करेंगे। उनके इस्तीफे को ट्रंप प्रशासन की टेक नीति के लिए बड़ा घटनाक्रम माना जा रहा है।

श्रीराम कृष्णन ने कहा कि व्हाइट हाउस में काम करना उनके जीवन का सबसे बड़ा सम्मान रहा। उन्होंने कहा कि वह जून के आखिर में अपना पद छोड़ देंगे और कुछ समय के ब्रेक के बाद अमेरिका और उसके सहयोगी देशों के लिए एआई से जुड़े बड़े संस्थागत काम करेंगे। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की जमकर तारीफ करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व के बिना अमेरिका एआई की वैश्विक दौड़ में आगे नहीं होता।

मेट्रो एंकर

मस्क की दौलत कई देशों की अर्थव्यवस्था से भी ज्यादा

ट्रिलियन डॉलर सफर की ओर एलन मस्क

वाशिंगटन, एजेंसी

इंसानों की ओर से होने वाले व्यापार के इतिहास में जो कभी नहीं हुआ, वह अब होने जा रहा है। टेस्ला के सीईओ एलन मस्क दुनिया के पहले 'ट्रिलियनेयर' बनने की राह पर हैं। यह एक ऐसी अकल्पनीय संपत्ति है, जिसकी तुलना अब किसी अन्य व्यक्ति से नहीं, बल्कि सीधे कई देशों की कुल अर्थव्यवस्था (जीडीपी) से हो रही है। आखिर मस्क इतनी बड़ी संपत्ति के मालिक कैसे बन रहे हैं और एक ट्रिलियन डॉलर की वास्तविक अहमियत क्या है?

ट्रिलियनेयर बनने के बहुत करीब

एलन मस्क के पास वर्तमान में टेस्ला के सीईओ के रूप में लगभग 273 बिलियन डॉलर (25.93 लाख करोड़ रुपये) की संपति है। ब्लमबर्ग के अनुसार उनकी सभी कंपनियों में उनकी हिस्सेदारी के हिसाब से उनकी कुल नेटवर्थ करीब 703 अरब डॉलर के करीब है। लेकिन असली गेमचेंजर उनकी रॉकेट और एआई कंपनी स्पेसएक्स का आगामी आईपीओ है। अगले सप्ताह संभावित इस आईपीओ में स्पेसएक्स का कुल मूल्यांकन 1.77 ट्रिलियन डॉलर (168.15 लाख करोड़ रुपये) होने का अनुमान है। चूंकि मस्क के पास कंपनी के लगभग आधे शेयर हैं, इसलिए इस आईपीओ से उनकी संपत्ति में सीधे 841 बिलियन डॉलर (79.89 लाख करोड़ रुपये) का इजाफा हो सकता है। इन दोनों कंपनियों को मिलाकर उनकी कुल संपत्ति 1.11 ट्रिलियन डॉलर (105.45 लाख करोड़ रुपये) तक पहुंच जाएगी।

एक ट्रिलियन डॉलर आखिर कितनी बड़ी रकम होती है?

एक ट्रिलियन डॉलर (करीब 95 लाख करोड़ रुपये) का मतलब है एक हजार बिलियन (यानी एक लाख करोड़ डॉलर)। इसे आम इंसान के नजरिए से समझना लगभग नामुमकिन है। अगर आप हर दिन, हर घंटे 1 मिलियन डॉलर (9.5 करोड़ रुपये) खर्च करें, तो भी 1 ट्रिलियन डॉलर (95 लाख करोड़ रुपये) खर्च करने में आपको 100 साल (एक सदी) से ज्यादा का वक्त लग जाएगा। हालांकि, मस्क की यह दौलत बैंक में रखे नकद के रूप में नहीं होगी, बल्कि यह शेयरों में दर्ज 'कागजी संपत्ति' होगी, जो पूरी तरह से निवेशकों के भविष्य के मूल्यांकन पर टिकी होगी।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया**
स्थानीय संपादक अनिल शर्मा* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564